शिक्षक पोर्टल एवं नवाचार समूह
मध्यप्रदेश

जारी रखी जा सकेंगी अतिथि शिक्षकों की सेवाएं

भोपाल। प्रदेश के सरकारी हाई एवं हायर सेकंडरी स्कूलों में रिक्त पदों के विरुद्ध कार्यरत अतिथि शिक्षकों और नवीन व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत कार्यरत अतिथि शिक्षकों की सेवाएं 30 अप्रैल के बाद भी ली जा सकेंगी। इस संबंध में शुक्रवार को लोक शिक्षण आयुक्त जयश्री कियावत ने आदेश जारी किए हैं। आयुक्त ने पूर्व में जारी आदेश का हवाला देते हुए कहा है कि हाई एवं हायर सेकंडरी स्कूलों में सत्र 2020-21 में रिक्त पदों के विरुद्ध अतिथि शिक्षकों को आमंत्रित करने के निर्देश दिए गए थे। कोरोना संक्रमण के कारण नियुक्तियों की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी।

अतिथि शिक्षकों की सेवाएं 30 के बाद भी ली जा सकेंगी

भोपाल। प्रदेश के सभी सरकारी हाई एवं हायर सेकंडरी स्कूलों में रिक्त पदों के खिलाफ कार्यरत अतिथि शिक्षकों और नवीन व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत कार्यरत अतिथि शिक्षकों की सेवाएं 30 अप्रैल 2021 के बाद भी ली जा सकेंगी। लोक शिक्षण संचालनालय की आयुक्त जयश्री कियावत ने आदेश जारी कर निर्देश दिए हैं कि कोरोना संक्रमण के कारण शैक्षणिक सत्र 2020-21 की बोर्ड परीक्षाएं अभी नहीं होने के कारण यह निर्णय लिया गया है। प्रदेश के सभी संभागीय संयुक्त संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी, विकास खंड शिक्षा अधिकारी और सभी प्राचार्यों को इस संबंध में आदेश जारी किए गए है। (नप्र)

दैनिक भास्कर ग्वालियर 01-05-2021

बोर्ड और प्रवेश परीक्षा की तिथि बढ़ने पर परीक्षार्थियों को काउंसलर की सलाह

परीक्षा की तैयारी रखें जारी, रिवीजन में छूटा सिलेबस पूरा करने का समय

ऑनलाइन परामर्श

सिटी रिपोर्टर | कोरोना महामारी के कारण सीबीएसई 12वीं की बोर्ड परीक्षा, क्लैट और जेईई मेंस की तिथि भी बढ़ गई हैं। काउंसलर रोजाना परीक्षार्थियों की समस्याओं का ऑनलाइन समाधान कर रहे हैं। साथ ही रिवीजन करने की सलाह दे रहे हैं। *पेश है खास रिपोर्ट...*

पुराने प्रश्न पत्र हल करने का यह सही समय

लॉकडाउन के कारण सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने कक्षा 10वीं की परीक्षा रद्द कर दी हैं, जबकि कक्षा12वीं की परीक्षा की तिथि को आगे बढ़ा दिया है। इसको लेकर

कक्षा 12वीं

इस परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थी ज्यादा चिंतित हैं। इसको लेकर स्कूल प्रबंधन की ओर से ऐसे बोर्ड परीक्षार्थियों की मदद के लिए ऑनलाइन काउंसलिंग की व्यवस्था की है। इस पर रोजाना विद्यार्थियों के फोन और ई-मेल आ रहे हैं। काउंसलर डॉ.अनिल तिवारी का कहना है कि इस समय बोर्ड परीक्षार्थियों को घर पर ही मॉक टेस्ट सॉल्व करने चाहिए। इससे उनकी तैयारी बनी रहेगी। साथ ही खुद की तैयारी का भी आकलन भी हो सकेगा।

अंतिम 2 चरण पर दें ज्यादा ध्यान,बढ़ सकता है कटऑफ

ज्वॉइंट एंट्रेंस एक्जाम (जेईई) मेंस इस बार चार चरण में कराए जा रहे हैं। इसके दो चरण पूरे हो चुके हैं। तीसरे चरण के पेपर को बढ़ाया गया है। इस बार जेईई मेंस चार चरण में होने से पिछले साल की तुलना में

जेईई मेंस

कटऑफ हाई जा सकता है। इसका एक कारण यह है कि चार चरण में से परीक्षार्थी को बेस्ट स्कोर मान्य होगा। एक्सपर्ट का कहना है कि जिन परीक्षार्थियों के दो चरण अभी शेष बचे हैं, उन्हें रिवीजन के लिए पर्याप्त समय मिल गया है। इस समय लॉकडाउन है। इसलिए अधिकांश कोचिंग संस्थान बंद हैं। इसलिए इसमें शामिल होने वाले परीक्षार्थियों को चाहिए कि वह ऑनलाइन वीडियो और लेक्चर का भी सहारा ले सकते हैं। साथ ही मॉक टेस्ट के माध्यम से परीक्षार्थियों को अपनी तैयारी का भी आकलन करना चाहिए।

तैयारी का आकलन करें और गलतियां सुधारें

लॉ में कॅरियर बनाने वाले विद्यार्थियों के लिए सबसे बड़ी क्लैट-2021 की परीक्षा को भी आगे बढ़ा दिया गया है। अब यह परीक्षा 13 जून को हो सकती है। लॉकडाउन के कारण

क्लैट

कोचिंग बंद हैं। ऐसे में परीक्षार्थी घर में रहकर ही अपनी तैयारी को पुख्ता कर सकते हैं। कोर्स के दौरान छात्रों को स्मार्ट लर्निंग के तहत मॉक टेस्ट और प्रैक्टिस सेट पर काम करना चाहिए। इससे स्पीड बेहतर होगी, बल्कि वो बिना किसी कोचिंग की मदद से अपनी तैयारी का आकलन भी कर सकेंगे। क्लैट का पेपर ऑब्जेक्टिव होता है। इस परीक्षा में 10वीं और 12वीं कक्षा के सिलेबस से सवाल पूछे जाते हैं। यह परीक्षा 150 नंबर की होती है।

ऑनलाइन क्लासेस बंद करने को पैरेंट्स ने बताया सही, स्टूडेंट्स बोले- 9-11वीं की पढ़ाई होगी प्रभावित

एक से 31 मई तक कक्षाएं बंद रखने के हैं आदेश

पीपुल्स संवाददाता ● भोपाल
मो.नं. 9893231237

स्कूल शिक्षा विभाग ने कोरोना संक्रमण को देखते हुए 10-12वीं की कक्षाओं को छोड़कर सभी ऑनलाइन कक्षाएं शनिवार से बंद हो जाएंगी। पैरेंट्स इस फैसले को सही ठहरा रहे हैं। स्टूडेंट्स का कहना है कि यह निर्णय छोटे बच्चों के लिए ठीक है, लेकिन 9-11वीं के विद्यार्थी इससे अधिक प्रभावित होंगे, क्योंकि उन्हें अगले साल बोर्ड कक्षा में जाना हैं। स्टूडेंट्स व प्राइवेट स्कूल संचालकों का कहना है कि ऑनलाइन कक्षाओं में बच्चे घर बैठकर पढ़ाई करते हैं, ऐसे में कोरोना का खतरा कैसे हो सकता है। डीपीआई आयुक्त जयश्री कियावत ने 10-12वीं को छोड़कर अन्य कक्षाओं को 1 से 31 मई तक बंद रखने के आदेश जारी किए हैं, जो सभी सरकारी एवं निजी (सीबीएसई, आइसीएसई, माशिमं या अन्य किसी बोर्ड से संबद्ध) स्कूलों पर लागू होगा।

सही निर्णय लिया गया

कोरोना काल में ऑनलाइन कक्षाएं बंद करने का निर्णय सही है। अस्वस्थ होने से बेहतर है कि बच्चा एक साल ज्यादा पढ़ ले। स्थिति बहुत खराब है और बच्चे टेंशन में है। निर्णय शिक्षकों के लिए भी लाभदायक है।

–नवीन तिवारी, अभिभावक

9वीं व 11वीं को नुकसान

स्कूल बंद हैं। ऑनलाइन क्लास बंद करने का निर्णय छोटी क्लासों के बच्चों के लिए सही है। 9वीं और 11वीं के बच्चे अगले साल बोर्ड परीक्षा में शामिल होंगे, ऐसे में इस निर्णय से वह अधिक प्रभावित होंगे।

–नित्या द्विवेदी, स्टूडेंट

बच्चे भी डरे हुए हैं

राजधानी के साथ प्रदेशभर में कोरोना संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। बच्चे भयभीत हैं और उनका पढ़ाई में मन नहीं लग रहा है। स्कूल शिक्षा विभाग का ऑनलाइन क्लास को एक माह के लिए बंद करने का फैसला सही है।

–प्रबोध पंड्या, महासचिव, पालक महासंघ मप्र

टीचर बच्चों के संपर्क में हैं

शासन ने वर्तमान परिस्थितियों में सही निर्णय लिया है। हमने भी पूरी तरह स्टूडेंट्स से संपर्क नहीं तोड़ा है। बच्चों को हॉलीडे के हिसाब से होमवर्क दिया गया है। टीचर भी अपडेट ले रहे हैं। जिन बच्चों को डाउट होता है, वह टीचर्स से फोन पर संपर्क सकते हैं।

–बाबू थामस, महासचिव, एसोसिएशन ऑफ अनएडेड प्राइवेट स्कूल, मप्र

भास्कर

12 वीं के छात्रों की समस्याओं का निराकरण करने पैनल बनेगा

एजुकेशन रिपोर्टर | ग्वालियर

कोविड-19 का संक्रमण बढ़ने के कारण मप्र माशिमं द्वारा आयोजित की जाने वाली हायर सेकंडरी की परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए छात्रों की बोर्ड परीक्षा की बेहतर तैयारी हो सके, इसके लिए लोक शिक्षण आयुक्त जयश्री कियावत ने जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र भेजकर कहा है कि जिलेवार हायर सेकंडरी के प्रत्येक विषय के लिए विषय विशेषज्ञों के समूह बनाएं। प्रत्येक विषय में न्यूनतम 4 विषय के लिए विषय विशेषज्ञों का पैनल बनाएं। पैनल में नाम दर्ज करने से पहले संबंधित विषय विशेषज्ञ की मंजूरी जरूर लें। इसके बाद विषय विशेषज्ञ के वाट्स नंबर छात्र-छात्राओं को प्रदान किए जाएं। जिससे छात्र-छात्राएं विषय विशेषज्ञ के वाट्सएप नंबर पर प्रश्न भेज सकें।

किसी एक विषय विशेषज्ञ के वाट्सएप नंबर पर आने वाले प्रश्नों के उत्तर सामान्यतः उसी दिन या अगले दिन दिए जाएं। संबंधित विषय विशेषज्ञ किसी कारणवश जवाब न दें पाए तो दूसरे विषय विशेषज्ञ को प्रश्न भेजे जाएं। जिससे वह जवाब दे सकें। इतना ही नहीं सभी विषयों का एक वाट्सग्रुप भी बनाया जाए। जिसमें एडीपीसी एवं डीईओ भी उपलब्ध रहें। किसी भी विषय विशेषज्ञ के पास जो भी प्रश्न आएंगे वे उन प्रश्नों एवं उनके जवाब को उस ग्रुप में शेयर करेंगे ।

शिक्षकों को कोरोना योद्धा घोषित करने की मांग ने जोर पकड़ा

ग्वालियर। कोरोना महामारी के दौरान शिक्षक क्वारेंटाइन निगरानी टीम, करोना कंट्रोल रुम, कोरोना चेक पोस्ट से लेकर जहां-जहां शासकीय सेवकों की आवश्यकता है, वहां शिक्षक संवर्ग अपनी सेवाएं दे रहे हैं, जबकि सुरक्षा की दृष्टि से पर्याप्त सामग्री उपलब्ध न होने, पेयजल तथा धूप से बचाओ हेतु व्यवस्था ना होने के बाद भी बह निरंतर अपने कर्तव्य का पालन कर रहे है। इसके बाद भी शिक्षक संवर्ग को फ्रंट लाइन वर्कर नहीं मान जा रहा है। मप्र राज्य कर्मचारी संघ ने मप्र शासन से शिक्षकों को फ्रंटलाइन वर्कर मानने की मांग की है।

शैक्षणिक संस्थानों में महिला सुरक्षा जागरूकता पर होंगे वेबिनार

ग्वालियर। छात्राओं को जागरूक करने के लिए महिला सुरक्षा पर वेबिनार का आयोजन किया जाएगा। यह खासतौर पर कॉलेज और विश्वविद्यालय में होंगे। इस संबंध में यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (यूजीसी) ने महिला सुरक्षा विषय पर गतिविधियां कराने के निर्देश दिए हैं। कोरोना काल के कारण शिक्षण संस्थान इस समय बंद हैं। इसलिए यह ऑनलाइन कराए जाएंगे। महिलाओं पर बढ़ रहे अत्याचार पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक कमेटी बनाई है।

डीईओ सहित 80 संक्रमित

गुना(नवदुनिया प्रतिनिधि)। शिक्षा विभाग में जहां प्राचार्य सहित पांच शिक्षकों की कोरोना से मौत हो चुकी है, तो वहीं अब डीईओ के साथ-साथ 80 शिक्षक और विभाग के कर्मचारी भी कोरोना संक्रमित है। उधर, पुलिस विभाग में भी कोरोना संक्रमितों की संख्या 40 के पार पहुंच चुकी है। उधर डीईओ का इलाज ग्वालियर में चल रहा है। कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़ने के बाद शिक्षा विभाग के दफ्तर सूने पड़े हुए है, तो वहीं ब्लॉक स्तर पर भी कर्मचारी मोबाइल के माध्यम से विभागीय सूचना देते नजर आ रहे है। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने कोरोना के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए शिक्षा विभाग में 10 फीसद कर्मचारियों को ऑफिस में काम करने की अनुमति दी है, लेकिन विभाग में बड़ी संख्या में कर्मचारी संक्रमित होने के बाद कर्मचारी डरे हुए है। हालात यह है कि ब्लॉक स्तर से लेकर जिला स्तर पर 80 कर्मचारी पॉजिटिव होकर अपना इलाज अस्पताल से लेकर होम आइसोलेशन में करा रहे है। उधर डीईओ पॉजिटिव आने के बाद ग्वालियर में होम आइसोलेट हो गए है।

जिले के सभी विभागों ने संक्रमित कर्मचारियों की सूची कलेक्टर को भेजी: जिले के सभी विभागों में काम करने वाले जितने कर्मचारी संक्रमित हुए है, उनकी सूची कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम को भेजी जा रही है। इस सूची के बाद विभागीय कार्य करने को लेकर योजना तैयार की गई है। जिससे किसी भी विभाग का काम प्रभावित नहीं हो। सबसे अहम बात तो यह है कि शिक्षा विभाग में पहले ही पांच शिक्षक व प्राचार्य कोरोना से जंग हार चुके है।

सील कर दिया।

डीपीआइ के निर्देश, बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए तैयार किए जाएं विषय विशेषज्ञों के पैनल

शिक्षकों की टीम कराएगी विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। माध्यमिक शिक्षा मंडल की दसवीं व बारहवीं की परीक्षाएं जून में ली जाएंगी। हालांकि दसवीं की परीक्षा लिए जाने की संभावना नहीं है, लेकिन बारहवीं की परीक्षा आयोजित की जाएगी। अब विद्यार्थियों के पास एक माह का समय शेष है। इस एक माह के समय में विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा की तैयारी कराने की जिम्मेदारी शिक्षकों को दी गई है। इसके लिए लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआइ) ने सभी जिलों में विषय विशेषज्ञों का पैनल

बनाने के निर्देश दिए हैं, ताकि एक माह के दौरान विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी के दौरान होने वाली समस्याओं का समाधान मिल सके। प्रत्येक विषय के शिक्षकों का

प्रत्येक विषय के चार विशेषज्ञ होंगे

जिलेवार बारहवीं के प्रत्येक विषय के लिए विषय विशेषज्ञों के समूह तैयार किया जाएगा। प्रत्येक विषय में कम से कम चार विशेषज्ञों के पैनल बनाए जाएंगे। यह पैनल विद्यार्थियों के प्रश्नों एवं समस्याओं का निराकरण करेगा। वाट्सएप ग्रुप पर समूह बनाया जाएगा। सभी का वाट्सएप ग्रुप बनाकर विद्यार्थियों को उस ग्रुप में जोड़ा जाएगा। विभाग ने 3 मई तक इस पैनल को तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

विद्यार्थी प्रश्न भेजेंगे। इनका निराकरण पैनल में शामिल विषय विशेषज्ञ करेंगे। किसी के पास जो भी प्रश्न आएंगे वे उन प्रश्नों के जवाब ग्रुप में शेयर करेंगे, ताकि बार-बार एक ही प्रश्न का उत्तर दोबारा न बनाना पड़े।

भोपाल जिले में 40 शिक्षकों की टीम बनाई गई है। सभी के वाट्सएप ग्रुप भी बनाए गए है। अब सभी विद्यार्थियों के नंबर जोड़े जा रहे है।

– **नितिन सक्सेना**, जिला शिक्षा अधिकारी

सब्जेक्ट एक्सपर्ट 12वीं के छात्रों की परेशानियों को दूर करेंगे

- जिलेवार प्रत्येक विषय के चार विषय विशेषज्ञों के पैनल बनाए जाएंगे
- छात्र वॉट्सएप ग्रप पर प्रश्न भेजेंगे, विशेषज्ञ उसी दिन जवाब देंगे

पीपुल्स संवाददाता ● ग्वालियर
editor@peoplessamachar.co.in

शिक्षा विभाग ने कोरोना संक्रमण के चलते कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा टाल दी है। छात्र-छात्राएं ऑनलाइन परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। छात्रों की विषय से संबंधित परेशानियों को दूर करने के लिए जिलेवार विशेष विशेषज्ञ का पैनल बनाया जाएगा। प्रत्येक विषय में न्यूनतम चार विषय विशेषज्ञों का पैनल बनाया जाएगा। यह पैनल छात्रों के सवालों व समस्याओं का निराकरण करेंगे।

लोक शिक्षण संचालनालय आयुक्त जयश्री कियावत ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और उच्चतर माध्यमिक स्कूलों के प्राचार्यों को छात्रों की परेशानियों को दूर करने के संबंध में निर्देश जारी कर दिए हैं। आयुक्त ने कहा है कि पैनल बनाने से पहले संबंधित विषय विशेषज्ञों की सहमति जरूर लेना होगी। इसके बाद ही छात्रों को विशेषज्ञों के वॉट्सएप नंबर उपलब्ध कराएं। छात्र वॉट्सएप नंबर पर विषय से संबंधित कठिनाईयों के प्रश्न भेज सकेंगे, जिनका निराकरण पैनल में शामिल सब्जेक्ट एक्सपर्ट द्वारा किया जाएगा। एक्सपर्ट छात्रों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का जवाब कागज पर पैन से लिखकर उसका फोटो खींचकर छात्रों को भेजेंगे।

विषय विशेषज्ञों का वॉट्सएप ग्रुप बनाना होगा

आयुक्त लोक शिक्षण ने कहा है कि कहा है कि विषय विशेषज्ञों का एक वॉट्सएप ग्रुप बनाया जाए, जिसमें डीईओ और एडीपीसी शामिल रहेंगे। विषय विशेषज्ञों के पास जो प्रश्न आएंगे, वह उन प्रश्नों व उनके जवाब को उस ग्रुप में शेयर करेंगे ताकि बार-बार एक ही प्रश्न का उत्तर नहीं बनाना पड़े।

इनका कहना है

12वीं के छात्रों की विषय से संबंधित परेशानियों को दूर करने के लिए प्रत्येक विषय के विशेषज्ञों के पैनल बनाए जाएंगे। विशेष विशेषज्ञों के वॉट्सएप नंबर छात्रों को उपलब्ध कराए जाएंगे। छात्र विषय से संबंधित कठिनाईयों के प्रश्न भेज सकेंगे।

अशोक दीक्षित, एडीपीसी

बढ़ रहा शिक्षकों की मौत का ग्राफ, लापरवाही का आरोप

कोरोना वॉरियर घोषित किए जाने की मांग

पीपुल्स संवाददाता ● भोपाल

मो.नं. 9893231237

प्रदेश में शिक्षकों के साथ ही गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की मौत का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। आज तक प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, शिक्षक, लिपिक वर्ग, प्राचार्य, अधिकारी समेत लगभग 716 से अधिक की मौत हो चुकी है।

यह आंकड़ा मप्र शिक्षक कांग्रेस के प्रांतीय प्रवक्ता एवं भोपाल जिला अध्यक्ष सुभाष सक्सेना मीडिया को देते हुए शासन-प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। सक्सेना ने कहा कि शिक्षकों और स्कूल शिक्षा विभाग के गैर शैक्षणिक कर्मचारियों व अधिकारियों को बिना किसी ट्रेनिंग व सुरक्षा के कोरोना ड्यूटी में लगा दिया गया है। इस लापरवाही के कारण इनकी असमय मौत हो रही है। मरने वालों में से अधिकांश शिक्षकों की ड्यूटी के चलते कोरोनावायरस से संक्रमित होकर मौत हुई है। प्रदेश सरकार द्वारा समस्त विभागों के कर्मचारियों को शिक्षकों को कोरोना वॉरियर घोषित किया जाकर 50 लाख रुपए की राशि दिए जाने के आदेश दिए गए हैं, परंतु अभी तक किसी भी शिक्षक को 50 लाख की राशि का भुगतान नहीं किया गया है। संगठन का अनुरोध है कि स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत जो शिक्षक कर्मचारी अधिकारी दिवंगत हुए हैं। उनके आश्रित परिवार को शीघ्र 50 लाख की राशि दी जाए एवं उनके परिवार के आश्रित सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति के नियमों में शिथिलीकरण किया जाकर नियुक्ति प्रदान की जाए।

भास्कर

सरकार! ये कैसा आदेश • कलेक्टर ने कहा- जो आदेश नहीं मानेगा, उसको किया जाएगा निलंबित

कंटेनमेंट जोन की पहरेदारी के लिए मृत और कोरोना पॉजिटिव शिक्षकों की भी लगा दी ड्यूटी

भास्कर संवाददाता | सेंवढ़ा

जिस शिक्षक की दो महीने पहले मौत हो गई, उसे भी दे दिया निगरानी का जिम्मा

कोरोना संक्रमण के इस दौर में पॉजिटिव मिलने वाले मरीजों के घर को माइक्रो कंटेनमेंट जोन बनाया गया है। इन सभी कंटेनमेंट जोन की निगरानी के लिए शासकीय कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जा रही है। हैरानी की बात यह है कि कंटेनमेंट जोन की निगरानी के लिए न सिर्फ कोरोना पॉजिटिव मरीजों की ड्यूटी लगाई गई, बल्कि मृत शिक्षकों को भी जिम्मेदारी दे दी गई। जी हां यह गड़बड़ी कलेक्टर कार्यालय से हो रही है।

दरअसल पॉजिटिव मरीजों की सूची आते ही आनन-फानन में अगले दिन ड्यूटी का आदेश के जारी कर दिया जाता है। जिसमें इन बातों को दरकिनार किया जा रहा है। ऐसे में मृत शिक्षकों के साथ कोरोना पॉजिटिव शिक्षकों की ड्यूटी भी लगाई जा रही है। इसके अलावा एक शिक्षक की एक ही समय में दो दो जगह ड्यूटी लगाई जा रही है। ऐसे में सवाल यह है कि एक शिक्षक ड्यूटी कैसे कर सकते हैं। बावजूद इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा। इन आदेशों में विसंगति को लेकर आए दिन शिकायतें भी हो रही हैं। बावजूद इनमें सुधार नहीं हो रहा।

30 किलोमीटर दूरी तक ड्यूटी करने जा रहे शिक्षक: शिक्षकों को अपने निवास स्थान अथवा शाला से 25 से 30 किलोमीटर दूर तक ड्यूटी के लिए भेजा जा रहा है। दो पालियों में चल रही यह ड्यूटी सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक, तथा 2 बजे से रात्रि 9 बजे तक चलनी है, यानी कि शिक्षक को अपने साधन से ड्यूटी तक स्थल तक पहुंचना है। वहां पर छाया पानी का कोई इंतजाम शिक्षक के लिए नहीं रहता, वह खुद अपना इंतजाम करें। बैठने की व्यवस्था भी उसके पास नहीं रहती खास बात यह है कि जिस कंटेनमेंट जोन तैनाती हो रही है वहां शिक्षक को सावधानी बरतने की जिम्मेदारी खुद की है। पॉजिटिव मरीज के दरवाजे पर बैठकर उसको खुद का बचाव भी करना है। इसमें कई दिव्यांग और 60 वर्ष से अधिक उम्र के शिक्षकों को भी ड्यूटी दे दी गई है। मसलन संतोष राठौर जो कि कमर की गंभीर बीमारी से पीड़ित होने के कारण फिलहाल चलने फिरने में भी असमर्थ हैं उनको भी कंटेनमेंट जोन पर तैनाती दी गई है। इसमें सेंवढ़ा के शिक्षकों की ड्यूटी इंदरगढ़, पडरी, भरसुला जैसे अनेक ग्रामों में लगी है जिन की दूरी सेवढ़ा से 25 किलोमीटर से ज्यादा है।

जिनकी मौत हो चुकी, ऐसे शिक्षकों को भी दे दिया ड्यूटी करने का आदेश

कलेक्टर कार्यालय से 27 अप्रैल के आदेश में वार्ड क्रमांक 4 में बनाए गए कंटेनमेंट जोन में ड्यूटी के लिए वीरेंद्र सोनी शिक्षक का नाम लिखा गया है। जबकि इनकी मौत हुए लगभग 2 माह पहले ही हो चुकी है। इसी प्रकार सूची में 51 नंबर पर दर्ज बजरिया मोहल्ला के एक संक्रमित व्यक्ति के घर पर डॉ. राजेंद्र पाराशर की तैनाती की गई है। डॉ. पाराशर फिलहाल खुद कोविड-19 संक्रमित हैं। वह होम आइसोलेशन में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। ऐसी स्थिति में उनका ड्यूटी पर जाना संभव नहीं है। यह एक दो उदाहरण भी नहीं ऐसे अनेक उदाहरण हैं जो ड्यूटी पर लगाए गए शिक्षकों की परेशानी को स्पष्ट करते हैं।

सेंवढ़ा क्षेत्र के 24 शिक्षक ऐसे जिनकी दो-दो जगह लगा दी ड्यूटी

15 अप्रैल से ही सेंवढ़ा एसडीएम कार्यालय से शिक्षकों की तैनाती के आदेश जारी होने लगे थे। इसमें कई शिक्षकों की ड्यूटी नाकों पर, कंट्रोल रूम में एवं जागरूकता रथ प्रचार प्रसार सर्वे आदि में लगाई गई। पर कंटेनमेंट जोन बनने के साथ इनमें से ही लगभग दो दर्जन शिक्षकों को दोबारा से वहां तैनात कर दिया गया। कलेक्टर कार्यालय के आदेश के साथ ही खुद कलेक्टर संजय कुमार द्वारा वीडियो मैसेज के माध्यम से स्पष्ट किया गया कि ड्यूटी पर नहीं जाने वाले व्यक्ति की निलंबन की कार्यवाही कर दी जाएगी। ऐसे में शिक्षकों अथवा कर्मचारियों की समस्या यह है कि वह एक समय में दो जगह कैसे जाएं। मसलन 15 अप्रैल से कोविड कंट्रोल रूम में ड्यूटी कर रहे शिक्षक रमेश बघेल, कोरोना महामारी को लेकर जान जागरूकता रथ पर रहकर ड्यूटी कर रहे शिवराम जाटव, 15 अप्रैल से वार्ड क्रमांक 3 में सर्वे का कार्य कर रहे शिक्षक जयप्रकाश शर्मा, बाहर से आने वाले लोगों की सूची बनाने का कार्य कर रहे शिक्षक शैलेंद्र सिंह सेंगर जैसे अनेक शिक्षक हैं जिनकी ड्यूटी माइक्रो कंटेनमेंट जोन में भी लगा दी गई है।

नाकों पर चेकिंग के लिए उपलब्ध नहीं कराई पुलिस

प्राथमिक विद्यालय तिगुरू में पदस्थ 61 वर्षीय लालता प्रसाद शर्मा के अनुसार उन्हें पिछले 12 दिन से लांच नाके पर ड्यूटी के लिए भेजा गया है। वह सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक ड्यूटी पर रहते हैं। इस दौरान ना तो उनके पास आईडी कार्ड है, न ही उन्हें कोई सुरक्षा किट उपलब्ध करवाई गई है। केवल मास्क के सहारे वह बाहर से आने वाले लोगों से खुद का बचाव करते हैं। ड्यूटी के दौरान उन्हें आने जाने वालों का डाटा लिखना पड़ता है। उनके साथ राजस्व पुलिस के कर्मचारी की भी तैनाती है, पर कोई यहां पर नहीं रहता। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जो लालता प्रसाद शर्मा की तरह सेवढ़ा अनुभाग में देखे जा सकते हैं।

सूची के हिसाब से ड्यूटी लगाई जा रही है

हमारे पास जो सूची आई है, उसके हिसाब से ड्यूटी लगाई गई है। जो कर्मचारी पॉजिटिव आए हैं, यदि वे सूचना देते हैं तो उनकी ड्यूटी कैंसिल की जा रही है।
एके चांदिल, एडीएम दतिया

जूनियर सेल्समैन भर्ती... सहकारिता विभाग में नौकरी का सपना देख रहे युवाओं के साथ अन्याय

पहले अपात्र आवेदकों को चुन लिया अब मेरिट लिस्ट में गड़बड़ी के आरोप

मेरा कॅरियर

भोपाल/इंदौर • डीबी स्टार

आवेदन में अपलोड दस्तावेज और मूल दस्तावेज में अंतर होने पर उम्मीदवार की दावेदारी निरस्त

उम्मीदवार को हासिल अंकों के आधार पर मेरिट सूची बनेगी। दो या अधिक उम्मीदवार के समान अंक होने पर हायर सेकंडरी में अधिक अंक लाने वाले को चयन में प्राथमिकता दी जाएगी। इसी प्रकार यह नियम कामर्स में स्नातक और अधिक आयु वाले उम्मीदवार पर लागू होगा। चयन समिति द्वारा मेरिट वाले उम्मीदवार के मूल दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा। इस दौरान आवेदन में अपलोड दस्तावेज और मूल दस्तावेज में अंतर होने पर उम्मीदवार की दावेदारी निरस्त कर दी जाएगी। बताया जाता है कि चयनित उम्मीदवार को प्रति दुकान 8400 रुपए प्रतिमाह देय कमीशन में से 6000 रुपए का प्रतिमाह मानदेय मिलेगा।

सहकारिता विभाग में सरकारी नौकरी की आस लगाए नौजवानों के लिए अच्छी खबर नहीं है। पिछले ढाई साल से इसके लिए भर्ती प्रक्रिया चल रही है, लेकिन हर बार कोई न कोई नया पेंच सामने आने से नियुक्ति को टाल दिया जाता है। ताजा मामला चयन प्रक्रिया के बाद तैयार की गई मेरिट लिस्ट का है। कई आवेदकों का आरोप है कि लिस्ट बनाने में गड़बड़ी की गई है। उनका कहना है कि जिम्मेदार अधिकारियों ने पहले तो अपात्र उम्मीदवारों का चयन कर लिया। इसे लेकर जब शिकवा-शिकायत हुई तो आवेदकों से दावे-आपत्तियां बुलवाई गईं, लेकिन उसके बाद आगे कोई कार्रवाई नहीं की गई। चयन से वंचित आवेदकों का कहना है कि विभाग वेटिंग लिस्ट में शामिल परीक्षार्थियों को चयन का मौका नहीं दे रहा है। यानी अपात्र बाहर हो भी गए तो पात्र उम्मीदवारों का चयन नहीं हो सकेगा। इस विसंगति को लेकर परीक्षार्थी आक्रोशित हैं। उनका कहना है कि ऐसी भर्ती का क्या मतलब जिसमें सैकड़ों पद बेवजह खाली रह जाएं।

क्या है मामला

प्रदेश भर की प्राथमिक सहकारी साख संस्थाओं में सेल्समैन के 3629 पद भरे जाना हैं। इसके लिए एमपी ऑनलाइन के माध्यम से आवेदन मंगाए थे। उम्मीदवारों का चयन परीक्षा के बजाय मेरिट के आधार पर किया गया। आवेदनों की छंटनी और मेरिट लिस्ट तैयार करने में भी लगभग डेढ़ साल का समय लग गया। 3629 पदों के लिए हुई परीक्षा का रिजल्ट 20 मई 2020 को जारी हुआ। कोरोना काल के कारण विभाग ने चयन प्रक्रिया सालभर रोके रखी। 1 फरवरी से 2021 से डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन शुरू हुआ। 4 फरवरी तक दावे-आपत्ति बुलाई गईं। भोपाल, इंदौर सहित प्रदेशभर से 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने आपत्तियां दर्ज कराई, लेकिन दो महीने के बाद भी विभाग ने कार्रवाई आगे नहीं बढ़ाई है। नतीजतन, मामला जस का तस ही अटका हुआ है।

200 रुपए फीस वसूली गई

आवेदन के लिए उम्मीदवारों से 200 रुपए फीस वसूली गई। वहीं उसमें संशोधन करने पर अलग से 50 रुपए चार्ज निर्धारित था। दस्तावेजों के सत्यापन के बाद उम्मीदवारों की नियुक्ति सरकारी राशन दुकान, कृषि, साख, फसल उपार्जन केन्द्रों पर होनी है।

फैक्ट फाइल

- 14 से 28 सितंबर 2018 तक ऑनलाइन आवेदन मंगाए गए।
- 30 सितंबर 2018 आवेदन में संशोधन की अंतिम तारीख।
- 150 कुल अंक मेरिट लिस्ट के लिए।
- 6000 रुपए मानदेय निर्धारित, 200 रुपए परीक्षा शुल्क वसूला।

सीधी बात अरविंद सेंगर, ज्वाइंट कमिश्नर, सहकारिता

1800 दावे-आपत्तियां आई हैं कमेटी कर रही उनका परीक्षण

जूनियर सेल्समैन के पदों पर नियुक्ति का मामला दो महीने से लंबित क्यों है?

-विभाग में कोई न कोई जिम्मेदार अधिकारी या कर्मचारी कोविड पॉजिटिव निकल रहा है जिससे काम ठप है। फिलहाल मेरे सहित चार प्रमुख लोग पॉजिटिव हैं।

कितने मामलों को लेकर दावे-आपत्तियां आई हैं और कब तक उनका निराकरण करेंगे?

-करीब 1800 आवेदकों ने दावे-आपत्तियां लगाई हैं। निराकरण का फिलहाल कुछ कह नहीं सकते, क्योंकि हर केस की सुनवाई अलग-अलग होगी।

स्थानीय प्रतिभागियों के बजाय बाहरी उम्मीदवारों का चयन होने की भी शिकायत है?

-हां, सबसे अधिक शिकायतें इसी मामले की ही है। कमेटी इनका परीक्षण कर रही है। गैर स्थानीय सहित विभिन्न कारणों से अपात्र साबित होने वाले उम्मीदवार का चयन निरस्त करेंगे।

वेटिंग लिस्ट वाले पात्र उम्मीदवारों को लेने से मना क्यों किया जा रहा है?

-हमने कोई वेटिंग लिस्ट जारी नहीं की है। कोई प्रतिभागी खुद को वेटिंग वाला मानता है तो हम इसमें कुछ नहीं कर सकते।

अपात्र के प्रक्रिया से बाहर होने पर यदि स्थानीय को मौका नहीं मिलेगा तो पद रिक्त रह जाएंगे?

ऐसा नहीं होगा। हम परीक्षण के बाद पात्र प्रतिभागी रखेंगे, लेकिन कोई वेटिंग लिस्ट के चक्कर में न पड़े।

30 मई तक ऑनलाइन होगी बोर्ड ऑफ स्टडी की बैठक

नए सत्र में एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स का 40% बदल जाएगा UG का कोर्स

प्रदेश टुडे संवाददाता, भोपाल

उच्च शिक्षा विभाग स्नातक के कोर्स में बदलाव करने जा रहा है। इसके लिए 79 बोर्ड ऑफ स्टडी की ऑनलाइन बैठक 30 मई तक होने की संभावना है। इससे सत्र 2021-22 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को करीब चालीस फीसदी बदले हुए कोर्स को अध्ययन करने का मौका मिलेगा। विभाग हर वर्ष के हिसाब से सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री देगा।

उच्च शिक्षा विभाग 79 बोर्ड आफ स्टडी की पहले पड़ाव की बैठकें करा चुका है। बैठक के दौरान सभी बोर्ड करीब चालीस फीसदी कोर्स में बदलाव करने के साथ डिजाईन करने के तरीके बताए जा चुके हैं। अब बोर्ड कोर्स डिजाईन करने आधा से एक दर्जन आनलाइन बैठकें करेंगे। ये बैठक तीस मई तक पूरी हो जाएंगी। तब विभाग आगामी सत्र 2021-22 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को नया सिलेबस पढ़ने देगा। इसमें उन्हें नई स्कीम का फायदा भी मिलेगा। प्रोफेसर आउट कम बेस्ड स्कीम के तहत कोर्स तैयार कर रहे हैं। इससे एक साल की पढ़ाई करने पर विद्यार्थी को सर्टिफिकेट, दो साल में डिप्लोमा और तीन साल में डिग्री देने के बाद विद्यार्थी चौथे साल में प्रवेश लेता है, तो उसे रिसर्च की डिग्री दी जाएगी।

M.P. Higher Edu. Department

फोकस : उद्योगों से जुड़ेंगे कोर्स

सभी बोर्ड कोर्स को डिजाईन करते समय इस बात पर फोकस करेंगे कि विद्यार्थी सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री लेकर निजी रोजगार स्थापित करने या नौकरी हासिल कर कर सके। इसलिए सभी बोर्ड कोर्स को स्थानीय उद्योगों से जोडकर तैयार कर रहे है। इससे विद्यार्थियों को अध्ययन करने के बाद नौकरी हासिल करने के बाद ज्यादा मशक्कत नहीं करना पड़ेगा।

प्रदेश टुडे एजुकेशन

तीसरे साल तक पूरा हो जाएगा बदलाव

बोर्ड तीस मई तक यूजी के प्रथम, द्वितीय, तीसरे और चतुर्थ वर्ष की बैठक कर सिलेबस तैयार कर लेगा। आगामी सत्र 2021-22 में प्रथम वर्ष के प्रवेशित विद्यार्थियों को नया कोर्स पढ़ने मिलेगा। इसके बाद साल दर साल बदले हुए कोर्स लागू होते चले जाएंगे। प्रथम के बाद विद्यार्थियों को द्वितीय वर्ष और तीसरे वर्ष में आने के बाद नये कोर्स मिलते चले जाएंगे। वही चतुर्थ वर्ष में उन्हें अपने विषय से जुड़े रिसर्च का कोर्स अध्ययन करने मिलेगा।

श्रीलंका, न्यूजीलैंड और स्वीडन से पीएचडी करने सांची विवि आएंगे विद्यार्थी

भोपाल। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय से पीएचडी करने का क्रेज देश विदेश में बढ़ रहा है। दूसरे देशों के विद्यार्थियों ने आवेदन जमा किए हैं। इसमें पांच श्रीलंका, दो म्यांमार और एक-एक आवेदन स्वीडन, वियतनाम और न्यूजीलैंड से जमा किया गया है। आज आवेदन करने की अंतिम तिथि है। जानकारी के मुताबिक विवि बौद्ध अध्ययन, वैदिक अध्ययन, भारतीय शिक्षा एवं समग्र विकास, योग, भारतीय चित्रकला, हिन्दी, अंग्रेजी और चीनी भाषा में पीएचडी करा रहा है। ये विषय देश-विदेश के चुनिंदा विवि में संचालित हो रहे हैं। यहां तक उनके पास पीएचडी कराने की व्यवस्था नहीं हैं। कुलपति नीरजा ए गुप्ता ने कहा कि नियमित के साथ पार्ट टाइम पीएचडी की व्यवस्था की गई है। इससे काफी शोधार्थियों को राहत मिलेगी। विवि ने एससी-एसटी और दिव्यांग विद्यार्थियों की परीक्षा फीस 1200। उनके अलावा सभी वर्ग की 1500 फीस निर्धारित की है। विवि ने विदेशी विद्यार्थियों की फीस में 66 फीसदी इजाफा किया है। एनआरआई विद्यार्थियों को प्रवेश परीक्षा में शामिल होने 2250 फीस का भुगतान करना होगा।

कॉलेजों तक नहीं पहुंचीं कंपनियां, ऑनलाइन प्लेसमेंट में भी कमी

प्रदेश टुडे संवाददाता, भोपाल।

कोरोना संक्रमण ने इस साल डिग्री पूरी कर रहे कई होनहार विद्यार्थियों के सपनों पर भी ग्रहण लगा दिया है। प्लेसमेंट की आस में तैयारी कर चुके ये विद्यार्थियों को कंपनियों का इंतजार है। लगातार दूसरे साल भी लॉकडाउन के बीच ऑनलाइन प्लेसमेंट में कंपनियां भी पहले की तुलना में कम ऑफर दे रही हैं। इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट कॉलेजों में फरवरी से ही 2021 बैच में डिग्री पूरी करने वालों के लिए कंपनियां आने लगती हैं।

कोरोना संक्रमण के कारण पिछले साल सभी कंपनियों ने ऑनलाइन कैंपस प्लेसमेंट कराते हुए ऑफर दिए थे। बैंकिंग, फाइनेंस, आइटी, डेटा एनालिसिस, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर आदि में अच्छे ऑफर भी मिले। लेकिन, लगातार दूसरे साल तक कोरोना संक्रमण जारी रहने से इस साल प्लेसमेंट पर असर नजर आ रहा है। पिछले साल प्लेसमेंट के लिए आई कुछ कंपनियों ने तो इस साल ऑफर देने से हाथ ही खींच लिए। जो कंपनियां प्लेसमेंट दे रही है उन्होंने भी पिछले साल की तुलना में १५ से २० फीसदी तक ओपनिंग कम कर दी। मैनेजमेंट की तुलना में इंजीनियरिंग स्ट्रीम वालों को ज्यादा नुकसान उठाना पड़ रहा है। एसजीएसआइटीएस के डायरेक्टर प्रो.राकेश सक्सेना ने बताया कि कोरोना के बीच भी आइटी और कम्प्यूटर साइंस की मांग बरकरार है। प्रोडक्शन से जुड़ी ब्रांच में थोड़ा असर देखने को मिल रहा है। पिछले साल कोरोना के बावजूद ऑफर पाने वाले सभी छात्रों को नौकरी के लिए अब तक इंतजार करना पड़ रहा है। दरअसल, कंपनियों ने जल्द स्थिति सामान्य होने की उम्मीद में ऑफर तो दे दिए मगर, अब तक जॉइनिंग के लिए नहीं बुलाया है। बड़ी संख्या में प्लेसमेंट पाने वाले अभी वर्क फ्रॉम होम ही कर रहे है। आईएमएस के प्लेसमेंट ऑफिसर डॉ. अवनीश व्यास ने बताया, इंजीनियरिंग की तुलना में मैनेजमेंट की स्थिति ठीक है। बैंकिंग, सेल्स और फाइनेंस सेक्टर में अच्छे ऑफर मिल रहे है।

फॉर्मा-मेडिकल सेक्टर में बूम

एक ओर निर्माण क्षेत्र से जुड़ी कई कंपनियां प्लेसमेंट में पीछे रही है वहीं, फॉर्मास्युटिकल से जुड़ी कंपनियां रिकॉर्ड संख्या में प्लेसमेंट के लिए आ रहे हैं। फॉर्मा क्वालिटी एश्योरेंस, प्रोडक्शन में पिछले वर्षों की तुलना में डिमांड और पैकेज में इजाफा हुआ है। इसी साल फॉर्मा में ५० हजार से ज्यादा नई नौकरियां उपलब्ध हैं।

यूजी-पीजी की परीक्षा के लिए 3 मई तक आवेदन कर सकेंगे स्टूडेंट्स

भोपाल। बरकतउल्ला विवि ने यूजी-पीजी के प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष की वार्षिक मुख्य एवं पूरक परीक्षा के लिए आवेदन की तारीख बढ़ाई थी। उसमें अब केवल तीन दिन बचे हैं। स्टूडेंट्स सामान्य शुल्क के साथ 3 मई तक एमपी ऑनलाइन के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। ज्ञात हो कि कोरोना संक्रमण को देखते हुए शासन द्वारा सभी सेमेस्टर एवं ईयर के ओपन बुक एग्जाम के आदेश जारी किए गए हैं। बीयू द्वारा उसी आदेश के परिप्रेक्ष्य में यह संसोधित तारीखें जारी की गई थीं।

बीयू

पीजी कॉलेज में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

श्योपुर। (नईदुनिया प्रतिनिधि)। सरकारी पीजी कॉलेज श्योपुर में शुक्रवार को ऑनलाइन चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं ने सहभागिता करते हुए मेरा मास्क ही मेरी सुरक्षा पर आधारित चित्र बनाकर लोगों को कोरोना संक्रमण से बचाव का संदेश दिया। प्रतियोगिता के दौरान पीजी कॉलेज प्राचार्य डॉ. एसडी राठौर ने कहा कि, कोरोना वायरस का संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है। इस कारण हर दिन काफी संख्या में लोग संक्रमित हो रहे हैं। कई लोगों की जानें भी जा रही है। ऐसे में इससे बचने के लिए सभी जरूरी उपाय अपनाने चाहिए। कोरोना वायरस मुख्य तौर पर नाक के जरिए शरीर में प्रवेश करता है। ऐसे में जरूरी है कि न सिर्फ मास्क पहनें बल्कि उसे सही तरीके से पहनें। अगर मास्क पहने हुए हैं लेकिन नाक खुला है तो कोई फायदा नहीं होगा। इसलिए मास्क से मुंह और नाक को जरूर ढंके। कोरोना काल में लोगों को सुरक्षित रहने और बचाव को लेकर जारी गाइडलाइन का पालन करना चाहिए। जिला संगठक डॉ. ओपी शर्मा ने कहा कि, बिना काम के घर से बाहर नहीं निकले। जब भी घर से बाहर जाएं तो मास्क लगाकर ही जाए। मेरा मास्क ही मेरी सुरक्षा है। इसलिए मास्कर जरूर लगाए। चित्रकलां प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने कोरोना से बचाव का संदेश देने के लिए बहुत ही सुंदर चित्र बनाए। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. महाराज सिंह धाकड़ ने बताया कि चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पारूल भोला, द्वितीय स्थान नीतेश प्रजापति एवं तृतीय स्थान सोनू मांझी ने प्राप्त किया। वहीं पीजी कॉलेज के छात्र-छात्राओं द्वारा प्राचार्य डॉ. एसडी राठौर व कार्यक्रम अधिकारी महाराज सिंह के निर्देशन में वैक्सीनेशल सेंटर पर आने वालों लोगों की मदद की जा रही है।

बीयू के ओपन बुक एग्जाम में शामिल होने के लिए लगेगा तीन सौ रूपए विलंब शुल्क

3 मई तक आवेदन कर सकेंगे यूजी-पीजी के स्टूडेंट

भोपाल (शप्र)। बीयू द्वारा बीबीए होटल मैनेजमेंट प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा के लिए आवेदन सामान्य शुल्क के साथ जमा करने की अंतिम तिथि शुक्रवार तीस अप्रैल को समाप्त हो गई। अब एक मई शनिवार से 300 रुपए विलंब शुल्क के साथ तीन मई तक आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। वहीं, यूजी-पीजी के प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष की वार्षिक मुख्य एवं पूरक परीक्षा के आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि तीन मई है। ज्ञात हो कि कोरोना संक्रमण को देखते हुए शासन द्वारा सभी सेमेस्टर एवं ईयर के ओपन बुक एग्जाम के आदेश जारी किए गए हैं। बीयू द्वारा उसी आदेश के परिप्रेक्ष्य में आवेदन जमा करने की संशोधित तारीखें जारी की गई थी। शासन के आदेश के अनुसार यूजी-पीजी के सभी सेमेस्टर व ईयर की वार्षिक परीक्षाएं ओपन बुक पैटर्न पर आयोजित की जाना है। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सभी विवि को आदेश जारी कर दिए गए हैं। अब विवि द्वारा अपनी सुविधा के अनुसार अलग-अलग टाइम टेबल जारी किए जाएंगे। बीयू द्वारा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की वार्षिक परीक्षा एवं पूरक परीक्षा के लिए आवेदन की संशोधित तारीख जारी की जा चुकी है। बीयू द्वारा बीबीए होटल मैनेजमेंट प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा के लिए आवेदन सामान्य शुल्क के साथ जमा करने की अंतिम तिथि शुक्रवार तीस अप्रैल को समाप्त हो गई।

कोरोना: शिक्षक, दो बाबू, व्यापारी सहित 13 की मौत

पीपुल्स संवाददाता ● शिवपुरी
editor@peoplessamachar.co.in

अप्रैल में अब तक 120 कोरोना संक्रमितों की मौतें हुईं

सरकारी आंकड़े और सरकार की पैरवी करने वाली सोशल साइट की टीम भले ही सकारात्मकता के नाम पर खैरियत की खबर परोसे, परंतु हकीकत इससे पूरी तरह जुदा है। शिवपुरी में हालात प्रबंधन के दावों के विपरीत हर रोज मौतों में इजाफे के साथ बिगड़ते जा रहे हैं। पर्देदारी से परे जिनके परिजन मर रहे हैं, वे खुलकर सामने आ रहे हैं, जो सरकारी मौतों के आंकड़ों की कलई खोल रहे हैं। लगातार हो रही कोरोना से मौतों के बीच शुक्रवार को भी कई घरों के तारे अस्त हो गए। पड़ताल के आंकड़े बताते हैं कि शुक्रवार को मरने वालों की संख्या 13 रही है। यह तो वह आंकड़े हैं, जो तमाम माध्यमों

से मीडिया तक पहुंच गए, शायद कई ऐसे भी होंगे, जिनकी गिनती गांव से शहर तक पहुंची ही नहीं। कुल मिलाकर हालात लगातार खराब हो रहे हैं। शुक्रवार को मरने वालों में करैरा का व्यापारी शामिल है, वहीं शिक्षक से लेकर शिक्षा विभाग के दो सेवानिवृत्त बाबू भी कोरोना के कारण जिंदगी की जंग हार गए।

केटर सहित इन्होंने गंवाई जान

शुक्रवार को जिन लोगों ने कोरोना से दम तोड़ा उनमें जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के सेवानिवृत्त लिपिक भगवती प्रसाद जैन निवासी शिवपुरी, भटनावर संकुल से सेवानिवृत इकबाल खां, कोलारस के पटवारी गोविंद आदिवासी की धर्म पत्नी प्रेमवती, करैरा निवासी लोहा व्यवसायी दिनेश गुप्ता की मौत हो गई। बताया गया है कि उनकी पत्नी व बच्चा भी संक्रमण से जूझ रहे हैं। इसी क्रम में पिछले 24 घंटे में शिवपुरी के जिन लोगों ने दम तोड़ा है, उनमें भगवान दास अग्रवाल पुत्र श्रीनाथ अग्रवाल 69 वर्ष निवासी कोलारस, संजय जैन निवासी गणेश गली शिवपुरी, छोटेलाल कुशवाह निवासी बस स्टेंड के पास शिवपुरी, ओमप्रकाश धानुक शिवशक्ति नगर हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी शिवपुरी तथा धनीराम कुशवाह वार्ड 39 शिवपुरी के अलावा कपिल उर्फ रोमी माटा निवासी शिवपुरी व 2 अन्य लोग शामिल हैं। करैरा के दबरा निवासी सहायक शिक्षक प्रताप सिकरवार भी जंग हार गए, उन्हें कोरोना संदिग्ध माना गया। केटर रोमी उर्फ कपिल माटा को पहले मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था, जहां से उन्हें सिद्धि विनायक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका निधन हो गया।

श्रीलंका, न्यूजीलैंड और स्वीडन से पीएचडी करने सांची आएंगे स्टूडेंट

प्रवेश परीक्षा आवेदन की अंतिम तिथि खत्म, 3 मई को जारी होगी सूची

पीपुल्स संवाददाता ● भोपाल
मो.नं. 9898231227

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय से पीएचडी करने का क्रेज देश-विदेश में बढ़ रहा है। इसलिए विवि ने दूसरी बार प्रवेश परीक्षा के फॉर्म जमा करने की अंतिम तारीख में चार दिन की बढ़ोतरी की थी। शुक्रवार को आवेदन की अंतिम तारीख थी। अब विवि तीन मई को उम्मीदवारों की सूची जारी करेगा।

अंतिम दिन तक जमा किए गए आवेदनों में 20 फीसदी आवेदनों में श्रीलंका, म्यानमार, स्वीडन, वियतनाम और न्यूजीलैंड के हैं। जानकारी के मुताबिक विवि बौद्ध अध्ययन, वैदिक अध्ययन, भारतीय शिक्षा एवं समग्र विकास, योग, भारतीय चित्रकला, हिन्दी, अंग्रेजी और चीनी भाषा में पीएचडी करा रहा है। ये विषय देश-विदेश के चुनिंदा विवि में संचालित हो रहे हैं। यहां तक उनके पास पीएचडी कराने की व्यवस्था नहीं हैं। लगातार विद्यार्थियों के डिमांड को देखते हुए कुलपति नीरजा ए गुप्ता ने आवेदन करने की स्वीकृति दे दी है। विद्यार्थी प्रवेश परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। चीनी भाषा में पीएचडी करने चार सीटें रखी गई हैं।

पार्ट टाइम की सुविधा: कुलपति नीरजा ए गुप्ता ने कहाकि सांची विवि में रेगुलर के साथ पार्ट टाइम पीएचडी की व्यवस्था की गई है। इससे काफी शोधार्थियों को राहत मिलेगी। विश्वविद्यालय ने एससी-एसटी और दिव्यांग विद्यार्थियों की परीक्षा फीस 1200 रुपए और उनके अलावा सभी वर्ग की 1500 रुपए फीस निर्धारित की है। विश्वविद्यालय ने विदेशी विद्यार्थियों की फीस में 66 फीसदी इजाफा किया है। एनआरआई विद्यार्थियों को प्रवेश परीक्षा में शामिल होने 2250 फीस का भुगतान करना होगा।

हिंदी और संस्कृत विवि के कुलपति चुनने नहीं मिल रहे योग्य उम्मीदवार

दोनों विवि के लिए आए बायोडाटा में योग्य उम्मीदवारों की कमी

पीपुल्स संवाददाता ● भोपाल
मो.नं. 9893231237

राजभवन को अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति करनी है। दोनों विवि में कुलपति की नियुक्ति के लिए राजभवन में एक सैकड़ा बायोडाटा भी नहीं पहुंचे हैं। जिनके बायोडाटा पहुंचे हैं, उनमें से अधिकांश कुलपति बनने की अर्हताएं पूरी नहीं करते हैं। वहीं दोनों विवि के कुलपति का सिलेक्शन करने राजभवन अभी तक सर्च कमेटी तक गठित नहीं कर सका है।

हिंदी और संस्कृत विवि को स्थापित हुए एक दशक हो चुका है। इनमें न तो नियमित पदों पर नियुक्तियां हो सकी हैं और न हीं इनके पास कोई खास बजट है।

इसलिए दोनों विवि में कुलपति बनने के लिए ज्यादा उम्मीदवारों ने आवेदन नहीं किए हैं। कुछ उम्मीदवारों का कहना है कि कुलपति बनकर विवि की जिम्मेदारी संभालना काफी मुश्किल होता है। बजट नहीं होने के कारण शासन से अनुदान के बार-बार कहना पड़ता है। बजट के अभाव में स्टाफ को वेतन देने में काफी कठिनाई होती है। ऐसे में कुलपति को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। यही कारण है कि दोनों विवि में एक सैकड़ा उम्मीदवार भी कुलपति बनने आगे नहीं आए हैं।

नहीं बनी सर्च कमेटी

हिंदी विवि कुलपति बनने आवेदन करने की अंतिम तारीख 9 अप्रैल थी, लेकिन अभी तक सर्च कमेटी नहीं बन सकती है। विवि ने सर्च कमेटी में महाराजा छत्रसाल विश्वविद्यालय के कुलपति टीआर थापक को सदस्य चुना है। राजभवन और यूजीसी से एक-एक सदस्य चयनित होना शेष है। वहीं संस्कृत विवि उज्जैन की अंतिम तिथि 16 मार्च थी।

ज्यादा आवेदन नहीं आए

संस्कृत विवि में कुलपति बनने के लिए ज्यादा आवेदन जमा नहीं हुए हैं। जो बायोडाटा आए हैं, उनमें राधिका प्रसाद मिश्रा, एमएम उपाध्याय और एसएन शर्मा आदि प्रमुख हैं। वहीं हिंदी विवि के भी राजभवन को योग्य उम्मीदवारों के बायोडाटा नहीं मिले हैं। इसलिए राजभवन भी कुलपति चयन करने के लिए ज्यादा मशक्कत नहीं कर रहा है।

सोशल मीडिया को देखकर कोई भी लंग एक्सरसाइज न करें फॉलो, बॉडी की कैपेसिटी और लंग्स की स्ट्रेंथ के हिसाब से ही चुनें अपने वर्कआउट, योग और प्राणायाम का सही तरीका

पोस्ट कोविड हेल्दी लंग्स के लिए करें सिर्फ हमिंग, भ्रामरी और चाइल्ड ब्रीदिंग एक्सरसाइज

विकास तिवारी। योग को नेचुरली शरीर की इम्युनिटी को बढ़ाने का कारगर तरीका माना जाता है। यही कारण है कि कोरोना संक्रमण से बचने और अपने लंग्स को मजबूत रखने के लिए लोग योग को अपना रहे हैं। लेकिन, योग में किस आसन या प्राणायाम को करना सही है और किन आसनों से अभी दूरी बनाए रखने की जरूरत है, अक्सर यह कोई नहीं बताता। जिसका नतीजा है कि लोग अपने लिए गलत आसनों को चुन लेते हैं और कई तरह की फिजिकल प्रॉब्लम्स को इनवाइट कर लेते हैं। हमने शहर के योग एक्सपर्ट से जाना कि कोविड-19 से बचे रहने के लिए किस तरह के योग आसनों को घर में किया जा सकता है।

दिन में तीन बार 10-10 मिनट के लिए पेट के बल लेटना न भूलें, इससे बढ़ेगी ऑक्सीजन

योग को एंजॉय करना है न कि कैपेसिटी से ज्यादा

योग एक्सपर्ट रेखा शर्मा ने बताया कि अनुलोम विलोम, भ्रामरी, योगिक श्वसन (चाइल्ड ब्रीदिंग), उज्जई प्राणायाम सभी एजग्रुप के लोग कर सकते हैं लेकिन थकान हो जाए तो रुक जाना चाहिए। योग को एंजॉय करें, न कि कैपेसिटी से ज्यादा।

बॉडी स्ट्रेच करने वाले आसन ट्राय न करें

योग एक्सपर्ट स्वाति मालवीय ने बताया कि वे आसन करें, जिससे बॉडी का स्टेमना बना रहे और लंग्स कैपेसिटी भी बढ़े। योग की शुरुआत उप योगा से करें, इसमें सांस और बॉडी के मूवमेंट का तालमेल है ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें।

ये प्राणायाम करें

- अनुलोम विलोम में लेफ्ट से शुरू किया है तो लेफ्ट पर खत्म करें। इसमें धीरे सांस लें और छोड़ें।
- भ्रामरी आसन में नेजल साउंड से निकालना होता है।
- योगिक श्वसन (चाइल्ड ब्रीदिंग) आसन में पेट के बल लेटना होता है। फिर गहरी सांस लेकर पेट फुलाना है। इसे 20 से 30 मिनट तक कर सकते हैं।
- उज्जैई प्राणायाम में थ्रोट से म शब्द की हमिंग करें।

इनको न करें

- **भस्तिका प्राणायाम** : लंग्स थक जाने कर खतरा होता है।
- **सूर्य और चंद्र भेदना प्राणायाम**: पावरफुल प्राणायाम होता है। वीकनेस आ सकती है।
- **कपालभाति** : सांसों को फोर्सफुली छोड़ते थे, काफी एनर्जी खर्च होती है। कोविड पेशेंट अभी न ही करें।
- **पावर योग** : पोस्ट कोविड में फीवर आ सकता है।

(खासतौर से यह योग बीपी, डायबिटीज और लंग इनफेक्शन के मरीज जो कोविड से पीड़ित हुए कुछ समय के लिए ना करें।)

ब्रीदिंग एक्सरसाइज है जरूरी : डब्ल्यूएचओ... थैरेपिस्ट डॉ सुनील पांडे ने कहा कि डब्ल्यूएचओ ने कहा कि लंग्स थैरेपी के लिए ब्रीदिंग एक्सरसाइज जरूरी है। पेट के बल लेटें जिससे कि फेफड़ों को सांस लेने और छोड़ने पर आसानी होगी। इसे दिन में दो से तीन बार कर सकते हैं। वजन उठाने वाली एक्सरसाइज से थोड़ा परहेज करें। इसके साथ पर्सेड लिप ब्रीदिंग, छाती फुलाने वाली एक्सरसाइज करना चाहिए।

भास्कर खास • मनोवैज्ञानिक सलाह दे रहे- नकारात्मक परिस्थितियों को झेलें, अच्छा महसूस करेंगे

एक्सपर्ट्स का दावा- अपनी बाहरी तकलीफों को स्वीकार करना शुरू कीजिए, इससे मन पर बोझ नहीं बढ़ेगा, कष्ट भी जल्द खत्म होंगे

The New York Times
दैनिक भास्कर से विशेष अनुबंध के तहत

कोरोना से जूझते हुए एक साल से ज्यादा वक्त बीत चुका है। लोगों ने बहुत सी विपरीत परिस्थितियां देखी हैं, मुश्किलें झेली हैं। इससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ रहा है। मनोचिकित्सक इससे उबरने के लिए सलाह दे रहे हैं कि अगर जिंदगी में नकारात्मक परिस्थितियां भी आती हैं, तो उन्हें स्वीकार कीजिए। यदि ऐसा नहीं करते हैं तो ये मानसिक तनाव या डिप्रेशन में तब्दील हो जाती है। मनोचिकित्सक जेनी टेट्ज अपने पास आने वाले लोगों को यही बताती हैं कि तकलीफों से भागने के बजाय उनका सामना करते हैं तो उनसे निपटना आसान हो जाता है। यह थ्योरी उन्होंने मनोवैज्ञानिक तारा ब्रेच की किताब 'रेडिकल एक्सेप्टेंस' से ली है। लोगों को हैरानी हो सकती है कि नकारात्मकता से अच्छा कैसे महसस होगा। पर यह संभव है, इसके लिए उन्होंने कुछ तरीके बताए हैं, जो इस तरह हैं...

जो जैसा है स्वीकार करें: हमेशा यह न सोचें कि मेरे साथ ही ऐसा क्यों हुआ। या जैसा सोचा था, वैसा क्यों नहीं हुआ। ऐसी बातें वास्तविकता स्वीकार करने से रोकती हैं।

भावनाओं को महत्व दें: भावनाओं से बचने की कोशिश न करें। जो महसूस हो रहा है, उसे अनुभव करें। जैसे आप अकेला महसूस कर रहें तो सोशल मीडिया पर दोस्तों की पोस्ट देखकर यह न सोचें कि आप कभी ऐसे रिश्ते नहीं बना पाएंगे। यह सच है, इसे मानें।

चेहरे से तनाव दूर करें: जब आप स्वीकार करने की क्षमता सुधारना चाहते हैं तो चेहरे की अभिव्यक्ति उग्र के बजाय शांत रखें। मान लीजिए किसी लंबी लाइन में देर से खड़े हैं, तो चेहरे पर तनाव लाने की जगह हल्की सी मुस्कान लाएं। दूसरो को दिखाने के लिए नहीं खुद के लिए। बदलाव खुद दिखेगा।

पूरे मन से काम करें: जब आप चीजों को स्वीकार करना शुरू कर देते हैं, तो आपके व्यवहार में यह झलकता है। आपको पहले जिन चीजों से डर लगता था, अब उनका डटकर सामना करते हैं। आप पूरे मन से काम करते हैं तो अलग आत्मविश्वास दिखने लगता है।

कई बार ऐसा करना होगा, तब नतीजे बेहतर मिल पाएंगे: टेट्ज

टेट्ज के मुताबिक यह संभव नहीं है कि जैसे ही आप चीजों को स्वीकार करने लगते हैं तो अच्छा लगने लगेगा। लेकिन जब आप खुद को जजमेंटल होने से बचाएंगे। हर चीज के लिए खुद को दोष नहीं देंगे। ऐसा कई बार होगा। तब आप देखेंगे कि बाहरी तकलीफें भी जल्द खत्म होने लगी हैं और तब आपके मन पर कोई बोझ या डिप्रेशन नहीं होगा। आपके पास ऐसा करने के कई मौके आएंगे। जितनी बार आप सफल होंगे, खुद को उतना तकलीफों से दूर और आजाद महसूस करेंगे।

हैल्थ टिप्स

गर्म पानी से यूं होता है खांसी में फायदा

गले के पिछले हिस्से में सूजन की वजह से गले में खराश या हल्की खांसी हो जाती है। गले में खराश वायरस के कारण भी होती है - जैसे फ्लू या आम सर्दी। यह कुछ दिनों में ठीक भी हो जाती है। गले में संक्रमण बैक्टीरिया के कारण भी होता है, इसके लिए डॉक्टर एंटीबायोटिक देते हैं। गले में खराश कोविड-19 का लक्षण भी है। ऐसे में अगर किसी ने कोविड टेस्ट कराया है तो रिपोर्ट आने तक वह आइसोलेशन में रहकर गले के लिए यह उपाय कर सकता है। ज्यादातर लोगों में हल्के कोरोना वायरस लक्षण होते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड ने कोरोना से जुड़े लक्षणों से लड़ने के लिए कुछ घरेलू उपाय बताए हैं।

- बहुत पानी पीजिए, इससे डिहाइड्रेशन से बचेंगे, गला नम रहेगा।
- शहद के साथ गुनगुना पानी, सूप या चाय जैसे पेय पदार्थ ले सकते हैं। गर्म पानी और चाय से श्वास नली गर्म रहेगी। गले और ऊपरी श्वास नली में जमा बलगम भी बाहर आएगा।
- गर्म पानी से स्नान करें। भाप लें इससे गले की खराश कम होगी। सांस लेने में आसानी होगी।
- शराब या कॉफी जैसे किसी भी कैफीन युक्त पेय से बचना चाहिए, इससे डिहाइड्रेशन हो सकता है।
- एक कप पानी में आधा चम्मच नमक डालकर गरारे करें। गले के दर्द और इचिंग से राहत मिलेगी। गरारे के दौरान गले के टिश्यू से वायरस को बाहर निकालने में मदद मिलती है।

आपको 'हैल्थ & वैलनैस' पेज कैसा लगा? अपनी राय 9190000071 नंबर पर मिस्ड कॉल के जरिए दे सकते हैं।

यूटिलिटी

गहरी सांसें लेने भर से 48 घंटे में शरीर को मिलते हैं ये 5 फायदे

डॉ. अजय कुमार,
एपिडेमोलॉजिस्ट,
पब्लिक हेल्थ
डिपार्टमेंट, दिल्ली

रोज कुछ देर गहरी सांस लेने से आपकी सेहत और लाइफ स्टाइल में बहुत सुधार होता है। जब आप चिंतित या परेशान होते हैं, तो आप आपके दिल की धड़कने लगातार तेज होती जाती हैं। रक्त का प्रवाह आपके दिल और मस्तिष्क की ओर बढ़ जाता है। इससे बचने के लिए गहरी सांस लेने का अभ्यास आपको रोज करना चाहिए। भले ही तनाव हो या न हो। इससे 24 से 48 घंटों में ही मन और शरीर को आराम मिलता है, नींद बेहतर आती है। सबसे बड़ी बात रोगों से लड़ने की क्षमता बेहतर होती है।

इम्यूनिटी सुधरती है, दर्द कम होता है

शरीर से विषैले तत्व घटते हैं

धीमी, गहरी, लंबी सांस लेने से शरीर को डिटॉक्सिफाई और शांत भाव में लौटने में मदद मिलती है। बेहतर नींद में मदद मिलती है। अगर अनिद्रा की शिकायत है तो सोने से पहले गहरी सांसें लें। कार्बन डाइऑक्साइड प्राकृतिक विषैला कचरा है जो सांस से बाहर आता है। छोटी सांस के दौरान फेफड़े को कम प्रतिक्रिया करते हैं। अन्य अंगों को इस कचरे को बाहर निकालने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है।

इम्यूनिटी मजबूत होती है

गहरी सांस लेने से ताजी ऑक्सीजन मिलती है और विषाक्त पदार्थ और कार्बन डाइऑक्साइड बाहर निकलती है। जब रक्त ऑक्सिजनेटेड होता है तो इससे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होती है। शरीर के महत्वपूर्ण अंग ठीक से काम करते हैं। एक क्लीनर, टॉक्सिन-मुक्त और स्वस्थ रक्त की आपूर्ति से संक्रमण फैलाने वाले कीटाणु जड़ से मिटते हैं।

तनाव कम होता है

गहरी सांस लेने से चिंताजनक विचारों और घबराहट से छुटकारा मिलता है। हृदय गति धीमी हो जाती है, जिससे शरीर अधिक ऑक्सीजन ले पाता है। हार्मोन संतुलित होते हैं। कोर्टिसोल का स्तर कम होता है। कोर्टिसोल स्ट्रेस हार्मोन है। जब कोर्टिसोल का स्तर बहुत अधिक समय तक बढ़ा हुआ रहता है, तो यहअधिक नुकसान पहुंचा सकता है।

दर्द का एहसास कम होता है

जब आप गहरी सांस लेते हैं, तो शरीर एंडोर्फिन बनता है। यह गुड हार्मोन है और शरीर द्वारा बनाया गया एक प्राकृतिक दर्द निवारक है।

रक्त प्रवाह ठीक होता है

डायाफ्राम के ऊपर और नीचे होने से रक्त प्रवाह की गति बढ़ती है। इससे विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद मिलती है।

क मिलेगा, क्लिक करने पर फीडबैक फॉर्म खुल जाएगा।

उज्जैन, बुरहानपुर में शिक्षकों को मान लिया कर्मवीर योद्धा

अब अन्य जिलों में भी शिक्षकों ने उठाई मांग इसी तरह जारी किए जाएं आदेश

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

उज्जैन एवं बुरहानपुर से प्रदेश के शिक्षकों के लिए बड़ी राहत भरी खबर आई है। यहां पर कलेक्टर ने शिक्षकों को कोरोना योद्धा का दर्जा देते हुए आदेश जारी किए हैं। इन जिलों में आदेश होते ही अब अन्य जगहों पर शिक्षकों ने अपनी जिलाधिकारियों पर यह लाभ देने के लिए प्रबलता से दबाव बनाया है। शासकीय अध्यापक संगठन ने मुख्यमंत्री कोविड.19 योद्धा कल्याण योजना के तहत राजधानी भोपाल में कोरोना महामारी में विभिन्न कार्यों में ड्यूटी कर रहे शिक्षक अध्यापकों को अन्य जिलों की भांति भोपाल में भी कोरोना योद्धा का दर्जा देने की मांग कलेक्टर से की है।

संगठन के प्रदेश संयोजक उपेन्द्र कौशल ने बताया है कि कोरोना महामारी से प्रदेश में 400 से अधिक शिक्षक काल को समा गये। वही लगभग 5000 शिक्षक कर्मचारी कोरोना बीमारी के शिकार है। राजधानी भोपाल में ही अभी तक 10 शिक्षकों की मृत्यु हो चुकी है और 300 से अधिक शिक्षक कोरोना की चपेट में है। संगठन ने कलेक्टर भोपाल से मांग की है कि शासन की कोरोना योद्धा योजना में कम से कम उन शिक्षकों को ही शामिल कर लिया जाए जोकि कोरोना महामारी से सबंधित ड्यूटी में जिनसे कार्य लिया जा रहा है।

संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष राकेश दुबे का कहना है कि शिक्षकों से अनेक कार्य करवाए जा रहे हैं। स्थिति ऐसी है कि शिक्षकों से कोरोना महामारी में कार्य तो स्वास्थ्यए राजस्वए स्थानीय निकाय इत्यादि कर्मचारियों के समान कार्य कराया जा रहा है लेकिन शासन से प्राप्त सुविधाएं इन शिक्षकों को कोई भी प्रदान नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा है कि उज्जैन एवं बुरहानपुर की तरह है प्रदेश के समस्त जिलों में कलेक्टरों को तत्काल शिक्षकों को करुणा योद्धा के आदेश जारी करना चाहिए।

प्रदेश में शिक्षकों को मिलेगी बड़ी राहत

मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री हेमंत कुमार शर्मा ने इस संदर्भ में मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा है कि जिस प्रकार उज्जैन और बुरहानपुर कलेक्टर ने शिक्षकों के लिए पूर्व में युद्ध के आदेश जारी किए है। उसी तरह की व्यवस्था पूरे मध्यप्रदेश में हो। इस प्रकार का आदेश सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी किया जाना चाहिए। ताकि कलेक्टर अपने.अपने जिलों में शिक्षकों को यह लाभ दे सकें।

अस्पतालों के नजदीक हो मेडिकल स्टाफ के ठहरने की व्यवस्था

स्वास्थ्य कर्मचारियों ने कहा कि पिछले साल राज्य सरकार ने किए थे प्रबंध

भोपाल। सरकारी अस्पतालों में उपचार कर रहे मेडिकल स्टाफकी आवास संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए स्वास्थ्य कर्मचारियों ने राज्य सरकार को कीमती सुझाव दिए हैं। कर्मचारियों का कहना है कि पिछले साल जिस प्रकार ठहरने के प्रबंध होटलों में बनाए गए थे। राज्य सरकार को वैसे ही व्यवस्था करना चाहिए।

स्वास्थ्य कर्मचारियों का कहना है कि रात्रि कालीन जो मेडिकल स्टाफ ड्यूटी कर रहा है। उसे प्रतिदिन अनेक प्रकार की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। देर रात्रि ड्यूटी से छूटने के बाद कर्मचारी बड़ी परेशानी उठाकर घर पहुंचते हैं। इसके बाद उन्हें पूरी तरह सैनिटाइज होना पड़ता है। खासकर महिला कर्मचारियों के लिए सबसे बड़ी दिक्कत है कि जिनके छोटे बच्चे हैं। उनके लिए सबसे ज्यादा मुसीबत है। सरकार को सुझाव दिए गए हैं कि जिस प्रकार पिछले वर्ष अस्पतालों के नजदीक होटलों में मेडिकल स्टाफ के ठहरने की व्यवस्था बनाई गई थी। ठीक उसी प्रकार के प्रबंध इस बार भी किए जाएं। ताकि कर्मचारी स्वयं सुरक्षित रख रहे और अपने परिवार को भी संक्रमण से बचा सके।

तत्काल करना चाहिए सरकार को यह व्यवस्था

मध्य प्रदेश नर्सेज एसोसिएशन के संभागीय अध्यक्ष कुमार नागर का कहना है कि राज्य सरकार को तत्काल यह व्यवस्था कर देना चाहिए। क्योंकि जो मेडिकल स्टाफअस्पताल में ड्यूटी करता है। उनके घरों में सबसे अधिक संक्रमण फैल रहा है। सरकार को इस विषय पर विचार करके तत्काल ऐसी व्यवस्था करना चाहिए। मेडिकल स्टाफ जब परिवार से दूर रहेगा तो निश्चित तौर पर संक्रमण भी कम होगा।

अधिकृत व्यवस्था कर हो सकता समस्या का समाधान

मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष अनिल एडविन का कहना है कि पूर्व की तरह अस्पतालों के आस पास की होटलों को अधिकृत कर इस समस्या का निदान किया जा सकता है। ड्यूटी से छूटने के बाद मेडिकल स्टाफ वहां जाकर रुके। उनके भोजन की व्यवस्था वहां हो। ताकि वे निश्चित होकर अपनी ड्यूटी कर सके एवं उनके परिवार भी संक्रमित होने से बच सकें। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को तत्काल इस संबंध में आदेश जारी करना चाहिए।

मध्य प्रदेश में 5 मई से शुरू हो सकता है 18+ का टीकाकरण

निर्माता कंपनियों को दिया वैक्सीन का ऑर्डर

भोपाल, जेएनएन। मध्य प्रदेश में 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के टीकाकरण पांच मई तक शुरू होने की उम्मीद है। सरकारी स्तर पर तैयारियों को मद्देनजर कहा जा रहा है कि इस तारीख तक टीकाकरण अभियान प्रारंभ हो जाएगा। फिलहाल यह टीका उन्हीं लोगों को लगेगा, जिन्होंने पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराया है। राज्य सरकार ने सभी को निशुल्क टीका लगाने के लिए 2700 करोड़ रुपए का प्रविधान किया है। टीकाकरण का कार्यक्रम एक मई से शुरू होना था, लेकिन डोज नहीं मिलने से इसमें देरी हो रही है। सरकार ने सीरम इंस्टीट्यूट को 45 लाख तो भारोटेक को 10 लाख टीकों का ऑर्डर दिया है। प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारी टीका बनाने वाली कंपनियों से लगातार संपर्क में हैं।

छत्तीसगढ़ में आज से 18+ को लगेगा टीका

छत्तीसगढ़ सरकार ने इंकार के बाद आखिरकार 1 मई से 18 से 45 साल तक के लोगों का टीकाकरण करने का फैसला किया है। साथ ही सरकार ने राज्य के कोटे से होने वाले वैक्सीनेशन प्रोग्राम के लिए सामाजिक-आर्थिक आरक्षण लागू करने का भी ऐलान किया है। इस व्यवस्था के तहत सबसे पहले अन्त्योदय राशन कार्डधारी सबसे गरीब लोगों को वैक्सीन लगाई जाएगी। ● शेष पृष्ठ 9 पर

बीयू के ओपन बुक एग्जाम में शामिल होने के लिए लगेगा तीन सौ रूपए विलंब शुल्क

3 मई तक आवेदन कर सकेंगे यूजी-पीजी के स्टूडेंट

भोपाल (शाप्र)। बीयू द्वारा बीबीए होटल मैनेजमेंट प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा के लिए आवेदन सामान्य शुल्क के साथ जमा करने की अंतिम तिथि शुक्रवार तीस अप्रैल को समाप्त हो गई। अब एक मई शनिवार से 300 रुपए विलंब शुल्क के साथ तीन मई तक आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। वहीं, यूजी-पीजी के प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष की वार्षिक मुख्य एवं पूरक परीक्षा के आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि तीन मई है। ज्ञात हो कि कोरोना संक्रमण को देखते हुए शासन द्वारा सभी सेमेस्टर एवं ईयर के ओपन बुक एग्जाम के आदेश जारी किए गए हैं। बीयू द्वारा उसी आदेश के परिप्रेक्ष्य में आवेदन जमा करने की संशोधित तारीखें जारी की गई थी। शासन के आदेश के अनुसार यूजी-पीजी के सभी सेमेस्टर व ईयर की वार्षिक परीक्षाएं ओपन बुक पैटर्न पर आयोजित की जाना है। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सभी विवि को आदेश जारी कर दिए गए हैं। अब विवि द्वारा अपनी सुविधा के अनुसार अलग-अलग टाइम टेबल जारी किए जाएंगे। बीयू द्वारा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की वार्षिक परीक्षा एवं पूरक परीक्षा के लिए आवेदन की संशोधित तारीखें जारी की जा चुकी है। बीयू द्वारा बीबीए होटल मैनेजमेंट प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा के लिए आवेदन सामान्य शुल्क के साथ जमा करने की अंतिम तिथि शुक्रवार तीस अप्रैल को समाप्त हो गई।

30 मई तक ऑनलाइन होगी बोर्ड ऑफ स्टडी की बैठक

नए सत्र में एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स का 40% बदल जाएगा UG का कोर्स

प्रदेश टुडे संवाददाता, भोपाल

उच्च शिक्षा विभाग स्नातक के कोर्स में बदलाव करने जा रहा है। इसके लिए 79 बोर्ड ऑफ स्टडी की ऑनलाइन बैठक 30 मई तक होने की संभावना है। इससे सत्र 2021-22 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को करीब चालीस फीसदी बदले हुए कोर्स को अध्ययन करने का मौका मिलेगा। विभाग हर वर्ष के हिसाब से सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री देगा।

उच्च शिक्षा विभाग 79 बोर्ड आफ स्टडी की पहले पड़ाव की बैठकें कर चुका है। बैठक के दौरान सभी बोर्ड करीब चालीस फीसदी कोर्स में बदलाव करने के साथ डिजाईन करने के तरीके बताए जा चुके हैं। अब बोर्ड कोर्स डिजाईन करने आधा से एक दर्जन आनलाइन बैठकें करेंगे। ये बैठक तीस मई तक पूरी हो जाएंगी। तब विभाग आगामी सत्र 2021-22 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को नया सिलेबस पढ़ने देगा। इसमें उन्हें नई स्कीम का फायदा भी मिलेगा। प्रोफेसर आउट कम बेस्ड स्कीम के तहत कोर्स तैयार कर रहे हैं। इससे एक साल की पढ़ाई करने पर विद्यार्थी को सर्टिफिकेट, दो साल में डिप्लोमा और तीन साल में डिग्री देने के बाद विद्यार्थी चौथे साल में प्रवेश लेता है, तो उसे रिसर्च की डिग्री दी जाएगी।

M.P. Higher Edu. Department

फोकस : उद्योगों से जुड़ेंगे कोर्स

सभी बोर्ड कोर्स को डिजाईन करते समय इस बात पर फोकस करेंगे कि विद्यार्थी सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री लेकर निजी रोजगार स्थापित करने या नौकरी हासिल कर कर सके। इसलिए सभी बोर्ड कोर्स को स्थानीय उद्योगों से जोड़कर तैयार कर रहे हैं। इससे विद्यार्थियों को अध्ययन करने के बाद नौकरी हासिल करने के बाद ज्यादा मशक्कत नहीं करना पड़ेगा।

तीसरे साल तक पूरा हो जाएगा बदलाव

बोर्ड तीस मई तक यूजी के प्रथम, द्वितीय, तीसरे और चतुर्थ वर्ष की बैठक कर सिलेबस तैयार कर लेगा। आगामी सत्र 2021-22 में प्रथम वर्ष के प्रवेशित विद्यार्थियों को नया कोर्स पढ़ने मिलेगा। इसके बाद साल दर साल बदले हुए कोर्स लागू होते चले जाएंगे। प्रथम के बाद विद्यार्थियों को द्वितीय वर्ष और तीसरे वर्ष में आने के बाद नये कोर्स मिलते चले जाएंगे। वहीं चतुर्थ वर्ष में उन्हें अपने विषय से जुड़े रिसर्च का कोर्स अध्ययन करने मिलेगा।

श्रीलंका, न्यूजीलैंड और स्वीडन से पीएचडी करने सांची विवि आएंगे विद्यार्थी

भोपाल। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय से पीएचडी करने का क्रेज देश विदेश में बढ़ रहा है। दूसरे देशों के विद्यार्थियों ने आवेदन जमा किए हैं। इसमें पांच श्रीलंका, दो म्यांमार और एक-एक आवेदन स्वीडन, वियतनाम और न्यूजीलैंड से जमा किया गया है। आज आवेदन करने की अंतिम तिथि है। जानकारी के मुताबिक विवि बौद्ध अध्ययन, वैदिक अध्ययन, भारतीय शिक्षा एवं समग्र विकास, योग, भारतीय चित्रकला, हिन्दी, अंग्रेजी और चीनी भाषा में पीएचडी करा रहा है। ये विषय देश-विदेश के चुनिंदा विवि में संचालित हो रहे हैं। यहां तक उनके पास पीएचडी कराने की व्यवस्था नहीं है। कुलपति नीरजा ए गुप्ता ने कहा कि नियमित के साथ पार्ट टाइम पीएचडी की व्यवस्था की गई है। इससे काफी शोधार्थियों को राहत मिलेगी। विवि ने एससी-एसटी और दिव्यांग विद्यार्थियों की परीक्षा फीस 1200। उनके अलावा सभी वर्ग की 1500 फीस निर्धारित की है। विवि ने विदेशी विद्यार्थियों की फीस में 66 फीसदी इजाफा किया है। एनआरआई विद्यार्थियों को प्रवेश परीक्षा में शामिल होने 2250 फीस का भुगतान करना होगा।

यूजी-पीजी की परीक्षा के लिए 3 मई तक आवेदन कर सकेंगे स्टूडेंट्स

भोपाल। बरकतउल्ला विवि ने यूजी-पीजी के प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष की वार्षिक मुख्य एवं पूरक परीक्षा के लिए आवेदन की तारीख बढ़ाई थी। उसमें अब केवल तीन दिन बचे हैं। स्टूडेंट्स सामान्य शुल्क के साथ 3 मई तक एमपी ऑनलाइन के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। ज्ञात हो कि कोरोना संक्रमण को देखते हुए शासन द्वारा सभी सेमेस्टर एवं ईयर के ओपन बुक एग्जाम के आदेश जारी किए गए हैं। बीयू द्वारा उसी आदेश के परिप्रेक्ष्य में यह संसोधित तारीखें जारी की गई थीं।

बीयू

मेडिकल स्टूडेंट्स लगातार कर रहे हैं जनरल प्रमोशन और ऑनलाइन परीक्षा की मांग

भोपाल। मध्यप्रदेश में कोरोना संक्रमण के मामले लगातार बढ रहे हैं लगातार कोरोना संक्रमण की वजह से मौतों के आंकडे भी बढ़ रहे लेकिन उसके बावजूद सरकार द्वारा छात्र-छात्राओं को टेस्टिंग किट समझ कर उनकी ऑफलाइन परीक्षा आयोजित करवाने की तैयारी की जा रही है स्टूडेंट्स लगातार विरोध कर रहे। एनएसयूआई मेडिकल विंग के प्रदेश समन्वयक रवि परमार ने बताया कि मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा लगातार मनमानी की जा रही है एक और छात्र-छात्राएं कोरोना के लेकर अत्यधिक चिंतित हैं तो दूसरी और ऐसी भयावह स्थिति में ऑफलाइन परीक्षा करवाई जा रही हैं जिसका छात्र-छात्राएं ओर उनके अभिभावक लगातार विरोध कर रहे हैं। रवि ने बताया कि ऑफलाइन परीक्षा के विरोध में मेडिकल विश्वविद्यालय के सभी छात्र छात्राओं ने चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग को हजारों की संख्या में ट्वीट किये है स्टूडेंट्स ने ट्वीट में अपनी बात रखते हुए मेडिकल स्टूडेंट्स की मन की बात सुनो मामा हमारे साथ का हजारों स्टूडेंट्स ने ट्वीटर पर हैशटैग चलाया । परमार ने बताया की मेडिकल यूनिवर्सिटी के नर्सिंग, फिजियोथैरेपी, होम्योपैथिक ,आयुर्वेदिक, यूनानी एमबीबीएस, डेंटल, पैरामेडिकल और अन्य मेडिकल कोर्स के स्टूडेंट्स द्वारा ऑफलाइन परीक्षा का लगातार विरोध कर जनरल प्रमोशन या ऑनलाइन परीक्षा की मांग की जा रही हैं मेडिकल स्टूडेंट्स की मांग जायज है एनएसयूआई द्वारा इसका पूर्ण समर्थन भी किया जा रहा हैं।

परिणाम | **जेयू ने होम्योपैथिक अंतिम वर्ष के छात्रों का छह माह से रोक रखा है परीक्षा परिणाम**

कोविड ड्यूटी में 300 होम्योपैथी विद्यार्थी बन सकते थे सहायक

ग्वालियर (नप्र)। कोविड-19 के संक्रमण के चलते अस्पतालों में मेडिकल स्टाफ का टोटा है। डाक्टर व अन्य स्टाफ ओवरलोड चल रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों में होम्योपैथी के करीब 300 विद्यार्थी अस्पताल में बड़े सहायक बन सकते थे, लेकिन जीवाजी विश्वविद्यालय ने बीएचएमएस अंतिम वर्ष का रिजल्ट घोषित नहीं किया है। इससे ये डाक्टर नहीं बन पाए हैं और घर बैठे हैं। विद्यार्थियों का कहना है कि पिछली कोरोना लहर में इंटर्न विद्यार्थियों की दवाइयां बांटने व वार्डों में ड्यूटी लगाई गई थी, जिससे वे स्टाफ की कमी को दूर करने में सहायक हुए थे।

एक साल की करनी पड़ती है इंटर्नशिप

- होम्योपैथी की डिग्री पूरी होने पर अस्पताल में एक साल की इंटर्नशिप करनी होती है। पिछले साल कोविड लहर में डाक्टरों की कमी आई थी, तब सरकारी व प्राइवेट अस्पतालों ने होम्योपैथी के इंटर्न विद्यार्थियों की मदद ली थी। विद्यार्थियों ने दवाई बांटने से लेकर पर्चा बनाने तक के काम किए थे।
- यदि इन विद्यार्थियों का रिजल्ट फरवरी में आ जाता तो ये अस्पताल में इंटर्न करने लगते। कोविड संक्रमण में डाक्टर व मेडिकल स्टाफ की कमी को इन विद्यार्थियों की मदद लेकर पूरा किया सकता था।

जेयू ने बीएचएमएस अंतिम वर्ष की परीक्षा दिसंबर 2020 में कराई थी। इस परीक्षा में ग्वालियर में स्थित होम्योपैथी कालेज सहित अंचल के कालेजों के 300 विद्यार्थी परीक्षा में बैठे थे। परीक्षा खत्म होने के एक महीने में इनका रिजल्ट घोषित हो जाना चाहिए था, लेकिन विद्यार्थियों ने अपनी डिग्री को देखते हुए जनवरी से जेयू के चक्कर काटने शुरू किए। अधिकारियों को अपनी डिग्री के संबंध में परेशानी भी बताई। जेयू ने विद्यार्थियों को रिजल्ट शीघ्र आने का आश्वासन दिया। तभी से ये विद्यार्थी रिजल्ट के इंतजार में हैं और जेयू के चक्कर काट रहे हैं।

- बीएचएमएस अंतिम वर्ष की कुछ कापियां चेक हो चुकी है। कोविड-19 की वजह से कापियों को एकत्रित करने में दिक्कत आ रही है। सोमवार को इनके रिजल्ट को घोषित कराने की कवायद की जाएगी।

प्रो. उमेश होलानी
रेक्टर व प्रभारी परीक्षा नियंत्रक जेयू

कोविड-19 में डाक्टरों की कमी है। यदि हमारा रिजल्ट घोषित हो जाता तो कुछ मदद कर सकते थे। पिछले साल इंटर्न विद्यार्थियों की मदद ली गई थी।

सरिता जायसवाल
छात्रा बीएचएमएस

फाइजर व बायोएनटेक ने बच्चों को टीका दिए जाने का प्राधिकार मांगा

लंदन (एजेंसी)। फाइजर इंक और बायोएनटेक ने यूरोपीय दवा नियामक से अपनी कोरोना वैक्सीन का इस्तेमाल 12 से 15 साल तक के बच्चों पर करने के लिए इजाजत देने का अनुरोध किया है। यदि इसे मंजूरी मिल जाती है, तो इससे यूरोप में कम उम्र के बच्चों का भी टीकाकरण हो सकेगा। शुक्रवार को एक बयान में दोनों दवा कंपनियों ने कहा कि दवा नियामक के सामने उनके आवेदन का आधार 2,000 किशोरों पर किया गया अध्ययन है। इस वैरान वैक्सीन को उन पर सुरक्षित और असरकारक पाया गया। बायोएनटेक और फाइजर इससे पहले अमेरिकी खाद्य और औषधि प्रशासन से इसी तरह की अनुमति मांग चुकी है।

भारत की मदद के लिए तैयार है संयुक्त राष्ट्र : गुतेरस

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतेरस ने कहा कि है विश्व संस्था खतरनाक कोरोना महामारी से लड़ने में भारत की मदद के लिए तैयार है। गुतेरस ने ट्वीट किया, समूचे संयु क्त राष्ट्र परिवार की ओर से मैं महामारी के प्रकोप का सामना कर रहे भारत के लोगों के प्रति एकजुटता प्रकट करता हूं।

भारत की जनता की मदद के लिए संयु क्त राष्ट्र तैयार है। इसके जवाब में संयु क्त राष्ट्र में भारत के राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने गुतेरस को धन्यवाद दिया। उन्होंने ट्वीट किया, ऐसी परिस्थिति में आपकी भावनाओं और एकजुटता की भारत सराहना करता है।

संयुक्त राष्ट्र हमें जो समर्थन दे रहा है, उसके लिए इस विश्व संस्था की भी हम सराहना करते हैं।

रांची में 16 संक्रमितों की मौत, आक्सीजन सप्लाई बंद होने का आरोप

रांची (ब्यूरो)। रांची के सरकारी अस्पतालों में तमाम दावों के बावजूद इलाज व्यवस्था कठघरे में है। कोविड स्पेशल घोषित किए गए सदर अस्पताल में पिछले 24 घंटों के भीतर 16 मरीजों की मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से कहा गया है कि गंभीर रूप से बीमार होने के कारण इन लोगों की मौत हुई है, लेकिन मृतकों और मरीजों के स्वजन का आरोप है कि अचानक आक्सीजन सप्लाई बंद होने से इन मरीजों की मौत हुई है। स्वजन का कहना है कि गुरुवार रात ढाई बजे अस्पताल में आक्सीजन प्रेशर कम हो गया। उस वक्त अस्पताल में न डाक्टर थे न नर्स। इस कारण मौत हुई। उधर स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि मरीजों की मौत अन्य कारणों से हुई है।

पलामू से पहुंचे ओमप्रकाश सिंह ने बताया कि रात को आक्सीजन लेवल कम होने पर मरीजों के स्वजन परेशान हो गए। वे कंट्रोल रूम गए, लेकिन वहां कोई नहीं था। डाक्टर और नर्स भी नहीं थे। अस्पताल में मौजूद एक शख्स ने बताया कि सिलेंडर में एक से डेढ़ घंटे की गैस बची हुई है। इसी बीच एक-एक कर लोग मरने लगे।

'सामने आ रही नर्सों की कमी समय रहते करनी होगी तैयारी'

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश इस समय कोरोना महामारी की दूसरी लहर का सामना कर रहा है। नए मामलों का दैनिक आंकड़ा चार लाख के करीब पहुंच गया है। देश में सक्रिय मामले 35 लाख के करीब पहुंचने वाले हैं। संक्रमितों की बढ़ती संख्या से अस्पतालों और स्वास्थ्य व्यवस्था पर पड़ने वाला दबाव भी साफ दिख रहा है। हाल के दिनों में आक्सीजन की उपलब्धता को लेकर भी देश ने मुश्किलों का सामना किया है।

इन सब चुनौतियों के बीच एक और चुनौती सर उठा रही है, जिसे लेकर समय रहते सतर्क होने की जरूरत है। यह चुनौती है कोरोना संक्रमितों के इलाज और उनकी देखभाल के लिए नर्सों और डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित करना। नारायण हेल्थ के संस्थापक और प्रख्यात हार्ट सर्जन डॉ. देवी प्रसाद शेट्टी ने सिंबायोसिस के एक कार्यक्रम इस चुनौती की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। डॉ. शेट्टी ने कहा, 'देश गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। हमने पहले भी कई चुनौतियों को पार किया है। पिछले साल जब महामारी की शुरुआत हुई, तब हमारे पास पीपीई किट की कोई व्यवस्था नहीं थी। कुछ ही समय में हम सरप्लस पीपीई किट बनाने में सक्षम हो गए।' वेंटिलेटर की संख्या से लेकर अन्य कई व्यवस्थाओं के मामले में आज हमारी स्थिति पहले से बेहतर है। डॉ. शेट्टी ने बताया कि संक्रमितों की बढ़ती संख्या को देखते हुए देश में बड़ी तादाद में आइसीयू बेड और वेंटिलेटर की जरूरत है। इन्फ्रा के मामले में लगातार प्रयास के दम पर इस दिशा में सफलता मिल सकती है, लेकिन इसके साथ ही जरूरत होगी इन आइसीयू बेड और वेंटिलेटर पर इलाज ले रहे मरीजों के उचित देखभाल की।

गहराता संकट

- आइसीयू बेड और वेंटिलेटर के साथ प्रशिक्षित नर्सों की भी जरूरत
- संसाधनों की कमी नहीं, सही समय पर सतर्कता से कदम बढ़ाना जरूरी

शुक्र है कुछ राहत तो मिली : मरीजों के परिजन और अस्पताल कर्मचारी गोविंदपुरा प्लांटों से ले जा रहे सिलेंडर

पहले 12 घंटे लाइन में खड़ा होना पड़ता था, अब 4 घंटे में ही मिल जाता है ऑक्सीजन सिलेंडर

पत्रिका
लाइव रिपोर्ट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. कोरोना संक्रमण से जूझ रहे मरीजों, उनके परिजनों के साथ प्रशासन के लिए राहत की खबर है। करीब बीस दिन संघर्ष के बाद ऑक्सीजन की चेन अब बनती जा रही है। ट्रेन से नॉनस्टॉप ऑक्सीजन के टैंकर रांची से आ रहे हैं और एयरफोर्स के प्लेन से वापस भेजे जा रहे हैं। यही वजह है कि गोविंदपुरा स्थित ऑक्सीजन प्लांट पर जहां एक सिलेंडर भरवाने में 10 से12 घंटे आम थे, वहीं अब 3 से 4 घंटे में ही ऑक्सीजन उपलब्ध हो रही है। ये बड़ी राहत की खबर है। गुरुवार को अस्पतालों से प्रशासन के पास पहुंची ऑक्सीजन की डिमांड को लगातार पूरा किया गया। कई अस्पतालों के पास तो अब बैकअप भी बनना शुरू हो गया है। शुक्रवार को रांची से और ऑक्सीजन टैंकर आने की उम्मीद है। इसके बाद राहत और बढ़ जाएगी। गुरुवार को ऑक्सीजन की डिमांड 100 मीट्रिक टन रही, जबकि आपूर्ति 93 मीट्रिक टन थी।

लाइव-1: लंबा इंतजार खत्म

केवल मरीजों की चिंता, सप्लाई में जुटे

निजी अस्पताल प्रभातश्री के कर्मचारी खुद ही मरीजों के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर लेने गोविंदपुरा प्लांट पर पहुंचे थे। वे आजकल अच्छे से सो नहीं पा रहे, लेकिन मरीजों की चिंता में वह सारे काम छोड़कर ऑक्सीजन सिलेंडर सप्लाई देने में जुटे हैं। कर्मचारी ने बताया कि पहले काफी समय लगता था, लेकिन अब आसानी से सिलेंडर मिल रहे हैं। मरीजों को परेशानी नहीं हो रही। एम्बुलेंस भी जल्दी फ्री हो जाती है।

लाइव-2: सुकून मिला पाकर

पिता के लिए संजीवनी लेने आया बेटा

अस्पताल में बेड नहीं मिलने के कारण लालघाटी स्थित घर पर ही 85 साल के पिता बाला प्रसाद भावसार का इलाज करा रहे पुत्र मुकेश भावसार गुरुवार को खाली ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर गोविंदपुरा के भारती प्लांट पर ऑक्सीजन लेने पहुंचे। मुकेश ने बताया कि आए तो ये सोचकर थे कि रात हो जाएगी, लेकिन यहां की स्थिति देखकर थोड़ा सुकून मिला है। हमें ऑक्सीजन भरवाने के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा।

आस-पास के जिलों को भी भेजी ऑक्सीजन

भोपाल में मरीजों को पर्याप्त ऑक्सीजन सप्लाई के बाद गुरुवार को विदिशा, राजगढ़, शाजापुर और सीहोर में ऑक्सीजन की सप्लाई की गई है। शुक्रवार को और ऑक्सीजन आने से अब ये चेन लगातार बनी रहेगी। इससे अस्पताल में भर्ती मरीजों को पर्याप्त ऑक्सीजन मिल सकेगी और वे तेजी से ठीक हो सकेंगे।

पर्याप्त ऑक्सीजन है

पर्याप्त ऑक्सीजन है। लगातार अस्पतालों को सप्लाई जा रही है। चेन बनने से और जिलों को भी ऑक्सीजन भेज रहे हैं।

राजेश गुप्ता, संयुक्त कलेक्टर

भास्कर एनालिसिस... देश में कोरोना से मृत्युदर के मामले में मध्यप्रदेश का 23वां स्थान है, टीके लगाने में अभी हम 7वें नंबर पर हैं

मप्र के 14 जिलों में मृत्युदर राष्ट्रीय औसत से ज्यादा, 28 में रिकवरी अच्छी

भास्कर रिसर्च

मध्यप्रदेश के 52 जिलों में से इस समय 14 जिले ऐसे हैं, जहां कोविड की मृत्यु दर राष्ट्रीय औसत 1.1% से अधिक चल रही है। हालांकि रिकवरी की बात करें तो हमारे 28 जिले ऐसे हैं जिनका रिकवरी रेश्यो, नेशनल रेश्यो (81.7%) से बेहतर है। अगर अब तक कुल रिकवर मरीजों की संख्या की बात करें तो प्रदेश के बड़े शहरों (इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर) के साथ खरगोन भी शीर्ष 5 जिलों में शामिल है। यहां अब तक 9,694 मरीज रिकवर हो चुके हैं।

टीकाकरण में ये आगे

छग में 54.7 लाख डोज लगे हैं। यह मप्र से कम हैं लेकिन मप्र की जनसंख्या 8.2 करोड़ है, जबकि छग की 2.9 करोड़ है।

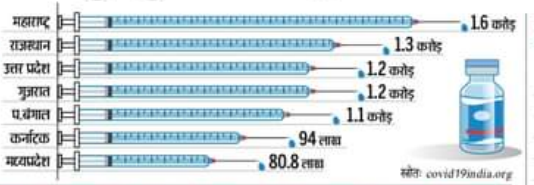

स्रोत: covid19india.org

यहां कहर... यहां मृत्यु दर ज्यादा है...

जिला	मृत्युदर	जिला	मृत्युदर	जिला	मृत्युदर	जिला	मृत्युदर
खंडवा	2.2	छिंदवाड़ा	1.7	विदिशा	1.4	टीकमगढ़	1.2
दमोह	2.2	बुरहानपुर	1.6	बैतूल	1.4	उज्जैन	1.2
रतलाम	1.7	सागर	1.5	नीमच	1.4		
राजगढ़	1.7	खरगोन	1.5	रायसेन	1.3		

• आंकड़े शुक्रवार रात आठ बजे तक के हैं।

यहां थोड़ी राहत... इन जिलों में रिकवरी रेश्यो राष्ट्रीय औसत 81.7% से बेहतर है...

10 घंटे अफरा तफरी • हैदराबाद से करनाल जा रही थी 8 करोड़ की वैक्सीन

नरसिंहपुर में लावारिस मिला कोवैक्सीन के 2.40 लाख डोज से लदा ट्रक; ड्राइवर लापता

पुलिस ने दूसरे ड्राइवर को बुलाकर ट्रक रवाना किया

भास्कर न्यूज | नरसिंहपुर/करेली

8 करोड़ रुपए की कोरोना वैक्सीन से लदा ट्रक 10 घंटे तक करेली के पास लावारिस खड़ा रहा। पुलिस व प्रशासन को इसकी जानकारी लगने के बाद हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई और ड्राइवर विवेक मिश्रा की तलाश शुरू हुई। जानकारी के अनुसार करेली के मध्य से गुजरे ओल्ड एनएच-26 पर बस स्टैंड के पास ट्रक (टीएन06क्यू6482) शुक्रवार सुबह 8 बजे स्थानीय लोगों ने चालू हालत में देखा। लंबे समय तक ड्राइवर का कोई पता नहीं चला तो दोपहर 12.30 बजे नागरिकों ने पुलिस को सूचना दी। करेली पुलिस ने छानबीन शुरू की तो पता चला कि ट्रक से कोरोना की एंटी डॉट को-वैक्सीन ट्रांसपोर्ट हो रही थी। मौके पर तहसीलदार भी पहुंचे। इस संबंध में जिला टीकाकरण अधिकारी को सूचना भी दी। जानकारों का कहना है कि चूंकि ड्राइवर ट्रक को स्टार्ट रख गया था। इसलिए वैक्सीन की कोल्ड चेन मेंटेन रही, जिससे उसके खराब होने की संभावना नहीं है।

ट्रक में लदे हैं कोवैक्सीन के 364 बड़े बॉक्स, ट्रक चालू था इसलिए सुरक्षित

दस्तावेजों की तलाशी से पता चला कि ट्रक में 364 बॉक्स को-वैक्सीन लोड है। करीब 2 लाख 40 हजार डोज की जानकारी दस्तावेज में थी। ड्राइवर विवेक की जानकारी उसके परिजनों सहित कंपनी से भी ली है और कंपनी द्वारा दूसरे ड्राइवर को नागपुर से रवाना भी किया गया।

झाड़ियों में पड़ा मिला ड्राइवर का मोबाइल फोन

एसआई आशीष बोपचे ने बताया, दस्तावेजों की जांच के बाद पता चला कि वैक्सीन हैदराबाद से करनाल जा रही थी। सम्बंधित कम्पनी से संपर्क करने पर पता चला कि ट्रक में सिर्फ ड्राइवर था, जिससे करीब 9 बजे से संपर्क नहीं हो रहा है और गाड़ी की जीपीआर लोकेशन भी एक ही जगह आने से कंपनी के अधिकारी भी सकते में थे। ट्रक ड्राइवर की मोबाइल लोकेशन करेली से करीब 16-17 किलोमीटर दूर एनएच-44 के किनारे नरसिंहपुर के नजदीक झाड़ियों में मिली, जहां पुलिस को चालू हालत में ड्राइवर का मोबाइल मिला, जिसमें तब तक 122 मिस्ड कॉल थे।

भोपाल में टीके का टोटा

18+ को मनाही, 45+ के लिए भी 57 से घटाकर 28 कर दिए सेंटर

पांच मई से नया फॉर्मूला लागू किए जाने का दावा- आज 28 अस्पतालों में 1198 को ही लगाया जाएगा सेकंड डोज

(पढ़ें भोपाल फ्रंट पेज)

कोरोना संकट से निपटने के लिए केंद्र का बड़ा फैसला

ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर बतौर उपहार पोस्ट या कुरियर से आयात हो सकेंगे

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने देश में कोरोना संकट के बीच निजी इस्तेमाल के लिए ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर्स को पोस्ट, कुरियर से बतौर उपहार आयात करने की अनुमति दे दी है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने इस संबंध में शुक्रवार को अधिसूचना जारी की है। अधिसूचना के अनुसार, यह छूट केवल व्यक्तिगत उपयोग के लिए 31 जुलाई तक की अवधि के लिए दी जा गई है। ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर चिकित्सा उपकरण है, जो हवा से ऑक्सीजन को सोखकर उसे इस्तेमाल लायक स्टोर करता है। डीजीएफटी ने कहा है कि निजी उपयोग के लिए ई-कॉमर्स पोर्टलों से खरीदे गए जीवन रक्षक दवाओं/अन्य दवाओं और ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर्स को सीमा शुल्क से छूट दी जा रही है।

'झूठी बहादुरी' को लेकर चेतावनी

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा- हम थके हुए हो सकते हैं, वायरस नहीं

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने लोगों को "झूठी बहादुरी' नहीं दिखाने की चेतावनी दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, "हम थके हुए हो सकते हैं, लेकिन वायरस नहीं।' केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा, "हम इस झूठी बहादुरी को भी महसूस कर रहे हैं कि कोरोना कुछ नहीं है, यह एक घोटाला है। मुझे मास्क पहनने की जरूरत नहीं, आओ पार्टी करते हैं। कोरोना को लेकर परेशान होने से आगे भी एक दुनिया है।

मोदी ने ऑक्सीजन, दवाइयों की उपलब्धता की समीक्षा की

फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर्स के लिए बीमा योजना छह महीने की लिए बढ़ाई

एजेंसी नई दिल्ली | कोरोना महामारी की दूसरी लहर के विकराल होने के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कैबिनेट की बैठक में हालात की समीक्षा की। मोदी ने देश में कोरोना मरीजों के लिए ऑक्सीजन और दवाइयों की उपलब्धता की जानकारी ली। मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कोरोना पर गठित

अलग-अलग अधिकार प्राप्त समूहों के साथ भी समीक्षा बैठक की। इसके बाद सरकार की ओर से बताया गया कि फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर्स के लिए बीमा योजना को छह महीने के लिए बढ़ा दिया गया है। इस योजना में जान गंवाने वाले हेल्थलाइन वर्कर्स के परिजनों को 50 लाख रुपए का बीमा कवर दिया जाता है। योजना पिछले साल मार्च में शुरू की गई थी और इसकी अवधि इसी साल 24 मार्च को खत्म हो गई थी। बैठक में मोदी ने कहा कि लंबित बीमा दावों के निस्तारण में तेजी लाने के लिए कदम उठाने चाहिए। ताकि मृतक के आश्रितों को समय से लाभ मिल सके। मोदी ने निर्देश दिया कि केंद्र को राज्यों के साथ समन्वय से काम करना चाहिए। जिससे कि बिना किसी समस्या के गरीबों को मुफ्त अनाज का लाभ सुनिश्चित किया जा सके। कोरोना संकट पर बुलाई समीक्षा बैठक में मोदी ने कहा कि अधिकारियों को उन संभावनाओं पर विचार करना चाहिए, जिससे नागरिक समाज का उपयोग स्वास्थ्य क्षेत्र पर दबाव कम करने में किया जा सके।

रूस की स्पूतनिक-वी वैक्सीन की पहली खेप आज पहुंचेगी भारत

मई के शुरुआत में ही 1.5 से दो लाख तक वैक्सीन मिल जाएंगी

नई दिल्ली | रूस की कोरोना की वैक्सीन 'स्पूतनिक-वी' की पहली खेप शनिवार को भारत पहुंच रही है। इसके हैदराबाद पहुंचने की संभावना है। मई के शुरुआत में ही 1.5 से दो लाख तक वैक्सीन मिल जाएंगी। भारत में आकस्मिक उपयोग के लिए मंजूरी पाने वाली स्पूतनिक तीसरी वैक्सीन है। देश में तीसरे चरण के टीकाकरण का आरंभ भी शनिवार से है। इससे कार्यक्रम को तेजी मिलने की उम्मीद है।

फाइजर, बायोएनटेक ने अपनी वैक्सीन बच्चों को लगाने की इजाजत मांगी

ब्रसेल्स | फाइजर और बायोएनटेक ने अपनी वैक्सीन डोज 12 से 15 साल आयु के बच्चों को देने के लिए यूरोपियन यूनियन के दवा नियामकों से इजाजत मांगी है। इससे यूरोपियन यूनियन के 27 देशों में बच्चों को भी पहली बार वैक्सीन डोज देने का रास्ता खुल जाएगा। यूरोपियन यूनियन में इन्हीं दोनों कंपनियों की वैक्सीन को सबसे पहले आकस्मिक इस्तेमाल की दिसंबर 2020 में मंजूरी मिली थी। इस समय यह वैक्सीन 16 और उससे ज्यादा आयु के वयस्कों को दी जा रही है।

भास्कर खास • शोधकर्ताओं का दावा- पैरेंट्स फिजिकली सक्रिय रहते हैं तो बच्चों को समस्याएं नहीं होतीं

मां ही नहीं, पिता के खानपान-जीवनशैली का असर भी गर्भ में पल रहे शिशु पर होता है, इसमें सुधार कर बच्चे को अच्छी सेहत दे सकते हैं : स्टडी

The New York Times
दैनिक भास्कर से विशेष अनुबंध के तहत

ग्रेचेन रेनॉल्ड्स

अब तक यह मान्यता रही है कि गर्भावस्था के दौरान मां के खानपान और सक्रिय रहने से बच्चे की सेहत पर अच्छा असर पड़ता है। शोध भी इसी बात पर बल देते रहे हैं। पर नई स्टडी में खुलासा हुआ है कि मां ही नहीं पिता के खानपान, एक्सरसाइज की आदतों और जीवन शैली का प्रभाव भी बच्चे पर पड़ता है। वर्जीनिया यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मेडिसिन और अन्य संस्थानों की ताजा स्टडी में कहा गया है कि जो दंपती पैरेंट्स बनने जा रहे हैं उनकी खानपान की आदतें, जीवनशैली और जेनेटिक्स जन्म लेने वाले बच्चे की अच्छी सेहत तय कर सकती हैं।

शिशु के जन्म और उससे पहले फिजिकल एक्टिविटी को बढ़ावा देना जरूरी

वर्जीनिया स्कूल ऑफ मेडिसिन के डॉ. झेन यान के मुताबिक स्टडी के नतीजों से स्पष्ट है कि गर्भावस्था के पहले और इसके दौरान माता और पिता दोनों की फिजिकल एक्टिविटी को बढ़ावा देना जरूरी है। इसे प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। खास बात यह है कि अब तक पिता की जीवनशैली को इससे जोड़कर नहीं देखा गया था, जबकि बच्चे की सेहत के लिए यह महत्वपूर्ण है।

शोधकर्ताओं के मुताबिक गर्भ में शिशु के आने से पहले जो माता-पिता वसा युक्त खाना ज्यादा खाते हैं, उनके बच्चों में मेटाबॉलिज्म से जुड़ी समस्याओं का जोखिम उच्च होता है। पर यदि माएं गर्भावस्था के दौरान एक्सरसाइज करती हैं तो यह जोखिम पूरी तरह खत्म हो सकता है। यहां पर इस बात पर जोर दिया गया है कि पिता को भी फिजिकली एक्टिव रहना जरूरी है, क्योंकि पैरेंट्स की जेनेटिक विरासत बच्चों में विभिन्न जैविक रास्तों के माध्यम से पहुंचती है। आगे चलकर यही इनकी अच्छी सेहत का आधार बनती है। इसके अलावा मां सक्रिय रहती हैं तो वे खुद के साथ पिता की खान-पान की बुरी आदतों का असर बच्चे पर पड़ने से रोक सकती हैं। स्टडी में कहा गया है कि गर्भावस्था से पहले मां या पिता को डायबिटीज,मोटापा या इंसुलिन प्रतिरोधकता है, तो बच्चे के वयस्क होने पर उसे भी ऐसी समस्याएं होने की संभावना रहेगी। शोधकर्ताओं का कहना है कि बच्चे अपने पैरेंट्स की ही खानपान और एक्सरसाइज की आदतों को अपनाते हैं। इसलिए यह बहुत कुछ पैरेंट्स पर निर्भर है कि वे बच्चों को कितना सेहतमंद भविष्य देते हैं।

चूहों पर हुई इस स्टडी में एक समूह को वसायुक्त खाना और आराम दिया गया, वहीं दूसरे समूह को सामान्य खाना और अनुशासित रुटीन में रखा गया। पहले वाले समूह की संतानों में वयस्क होने पर मेटाबॉलिज्म, वजन को लेकर समस्याएं दिखीं। जबकि दूसरे समूह की संतानें पूरी तरह फिट और सामान्य सेहत वाली रहीं।

आज का इतिहास

- **1840** : ब्रिटेन ने पहला आधिकारिक डाक टिकट जारी किया।
- **1857**: स्वामी विवेकानन्द ने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की।
- **1856**: जोनास सॉल्क ने पोलियो वैक्सीन आम जनता के लिए उपलब्ध करायी।
- **1886** : अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस या मई दिन मनाने की शुरूआत एक मई से मानी जाती।
- **1923** : देश में एक मई को श्रमिक दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत चेन्नई से हुई।
- **1960** : महाराष्ट्र और गुजरात अलग-अलग राज्य बने।
- **1961** : क्यूबा के प्रधानमंत्री फिदेल कास्त्रो ने क्यूबा को समाजवादी राष्ट्र घोषित कर चुनावी प्रक्रिया को खत्म कर दिया।
- **1972** : देश की कोयला खदानों का राष्ट्रीयकरण किया गया।

आज का इतिहास

1913	बलराज साहनी- प्रसिद्ध हिन्दी फिल्म अभिनेता का जन्म हुआ।
1919	मन्ना डे, प्रसिद्ध गायक का जन्म हुआ।
1932	एस. एम. कृष्णा - भारतीय राजनीतिज्ञ का जन्म हुआ।
2008	निर्मला देशपांडे - गांधीवादी विचारधारा से जुड़ी हुई प्रसिद्ध महिला सामाजिक कार्यकर्ता का निधन हुआ।
2004	रामप्रकाश गुप्त - भारतीय जनता पार्टी के प्रसिद्ध नेता तथा उत्तर प्रदेश के भूतपूर्व मुख्यमंत्री तथा मध्य प्रदेश के राज्यपाल का निधन हुआ।
1945	सोवियत लाल सेना का बर्लिन में प्रवेश।
1984	फू दोरजी बिना ऑक्सीजन के माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने में सफल।